

अमित शाह का कांग्रेस पर हमला वदे मातरम के पूरे गान से क्यों परहेज?

एजेंसी। दिल्ली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर आजादी के बाद वंदे मातरम को पूरे दिल से न अपनाने का आरोप लगाया, इसे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद से जोड़ा। उन्होंने राष्ट्रीय गीत के पूर्ण गायन को सरकारी कार्यक्रमों का हिस्सा बनाने और राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण अधिनियम को मजबूत करने के सरकारी फैसले को ऐतिहासिक बताया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पार्टी की आलोचना की कि उसने आजादी के बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को पूरे दिल से नहीं अपनाया। 21 अगस्त को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, शाह ने 80वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की तारीफ की, जिसमें लाल किले से श्रवंदे मातरम का पूरा गायन हुआ था। उन्होंने इस पल को अनोखा बताया हुए कहा कि 150 साल बाद और हमारी आजादी के 80वें साल में, देश और दुनिया ने लाल किले से वंदे मातरम का पूरा गायन सुना। शाह ने इस गीत के महत्व पर जोर देते हुए इसे बंकिम बाबू की एक अमर उत्कृष्ट रचना बताया, जिसने

आजादी की लड़ाई को प्रेरित किया और आजाद भारत की सोच को

कानून राष्ट्रीय गीत श्रवंदे मातरम में किसी भी तरह की बाधा डालने

लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच चल रहे राजनीतिक विवाद के



आकार दिया। उन्होंने कहा कि इस एक गीत, इस एक साहित्यिक रचना के जरिए उन्होंने यह स्थापित किया कि आजाद भारत को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी और देश के बँटवारे के बाद भी वंदे मातरम को कभी पूरे दिल से नहीं अपनाया गया। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सम्मान का अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026 को मजबूत करने के फैसले को ऐतिहासिक निर्णय भी बताया। यह

या उसका अपमान करने को अपराध बनाता है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने संसद में एक बिल पेश किया और वंदे मातरम के पूरे गायन को सरकारी कार्यक्रमों का हिस्सा बनाने का फैसला कियाय यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। मेरा मानना है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि आने वाली पीढ़ियों हमारे बच्चों, किशोरों और युवाओं तक बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का अमर संदेश पहुँचेगा। ये बातें वंदे मातरम के गायन को

राहुल गांधी की मांग के बाद दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन मामले में मुकदमा की दर्ज

एजेंसी। दिल्ली। राहुल गांधी के धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को छात्र प्रदर्शन में पैलेट गन के कथित इस्तेमाल से घायल साहिल लोचब की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की। राहुल गांधी ने इस घटना को पुलिस बर्बरता करार देते हुए न्यायिक जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है, जबकि कांग्रेस नेता अब भी धरने पर हैं। दिल्ली पुलिस ने साहिल लोचब की शिकायत पर पैलेट गन से फायरिंग की कथित घटना के सिलसिले में अज्ञात लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की है। इस मामले में अभी तक किसी को आरोपी नहीं बनाया गया है। शिकायत पर कार्रवाई के दौरान कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला और प्रियंका गांधी DCP ऑफिस में मौजूद थे। मामले की आगे की

जांच चल रही है। जबकि राहुल गांधी ने राजधानी में पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर धरना जारी रखा। प्रियंका गांधी



समेत कांग्रेस नेता, पीड़ित के साथ पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पर धरने पर बैठे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 20 जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के छर्छों से घायल हुए 19 वर्षीय साहिल लोचब के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को

लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग स्थित पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के बाहर धरना दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल साहिल लोचब, उनके परिवार और वकीलों के साथ संसद मार्ग थाने पहुंचे और मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने पुलिस से जांच अधिकारी (आईओ) का नंबर उपलब्ध कराने की मांग भी की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज

अगर बच्चे शिक्षित होंगे तो भाजपा को क्या दिक्कत? जयपुर हमले पर केजरीवाल का सवाल

एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जयपुर में CJP वॉलंटियर्स पर कथित हमले की कड़ी निंदा की और बीजेपी पर बच्चों को अच्छी शिक्षा से वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर बच्चे शिक्षित होते हैं तो बीजेपी को क्या समस्या है, और कहा कि यह हमला शायद शिक्षा के लिए आवाज उठाने से रोकने के लिए किया गया। इस घटना ने राजस्थान में शिक्षा क्षेत्र के तनाव को उजागर किया है, जहाँ श्रृंखलाकार्यकर्ता एक सरकारी स्कूल का निरीक्षण कर रहे थे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 21 अगस्त को राजस्थान के जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के वॉलंटियर्स पर हुए कथित हमले की निंदा की और बच्चों की शिक्षा को लेकर भारतीय जनता पार्टी के रुख पर सवाल उठाए। र पर एक पोस्ट में केजरीवाल ने उश्रृंखलाकार्यकर्ताओं

पर श्रृंखलाकार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने, उनके कपड़े फाड़ने और उनकी गाड़ियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। अगर बच्चे पढ़-लिख जाते हैं, तो BJP को क्या दिक्कत है? वे हमारे बच्चों को अनपढ़ क्यों रखना चाहते हैं? यह बयान राजस्थान



उन्होंने पूछा कि देश में क्या हो रहा है? BJP के गुंडों ने CJP वॉलंटियर्स पर बेरहमी से हमला किया। उन्होंने उनके साथ मारपीट की, उनके कपड़े फाड़े और उनकी गाड़ियों की खिड़कियां तोड़ दीं। केजरीवाल ने आगे कहा कि क्या यह सब इसलिए हो रहा है ताकि वे बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए आवाज न उठा सकें?

के शिक्षा क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आया है। तनाव तब बढ़ा जब जयपुर जिले के रामपुरा कंवर्पुरा में एक हिंसक घटना हुई, जिसमें CJP के एक प्रतिनिधि मंडल पर राजनीतिक विरोधियों ने कथित तौर पर हमला किया। CJPने बताया कि उनके सदस्य एक स्थानीय सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने की कोशिश कर

रहे थे जो एक कामचलाऊ शोध में चल रहा था, तभी एक भीड़ ने उन्हें रोक लिया। CJP कार्यकर्ता आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि यह हमला पहले से तय था और उन्होंने इस घटना के लिए BJP के गुंडों को जिम्मेदार उहाराया। साथ ही, उन्होंने पुलिस पर कार्रवाई न करने का भी आरोप लगाया। घटना स्थल से छूट से बात करते हुए, रांका ने जिम्मेदार लोगों की 48 घंटे के भीतर गिरफ्तारी की मांग की और राज्य सरकार के स्कूलों के संबंध में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा जारी आदेश को वापस लेने की मांग की। रांका ने कहा कि आज पूरे देश ने बीजेपी की गुंडागर्दी लाइव देखी। वहां पहले से ही पत्थरबाजी हो रही थी, लेकिन पुलिस चुपचाप तमाशा देखती रही। पुलिस ने कहा कि वे कुछ नहीं करेंगे। यह सब मदन दिलावर के कहने पर किया गया है। हमारे वॉलंटियर्स के हाथ तोड़ दिए गए। हमारी गाड़ियों में तोड़-फोड़ की गई।

पीडीए के पी पर सीएम योगी का अखिलेश पर तंज आज पिछड़ा, कल पंडित, परसों पाकिस्तान भी!

संवाददाता। सीएम योगी लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कल्याण सिंह की पुण्यतिथि पर अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए समाजवादी पार्टी के 'PDA' फॉर्मूले पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि श्रृंखला अर्थ पहले पिछड़ा, फिर पंडित हुआ और अवसर आने पर यह पाकिस्तान भी हो सकता है, जो सपा के राजनीतिक अवसरवाद को दर्शाता है। यह टिप्पणी यूपी की राजनीति में पहचान और अवसरवाद की बहस को गहरा करती है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की 5वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को लखनऊ में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने शबाबूजीश को श्रद्धांजलि तक नहीं दी, जो बीजेपी नेता के प्रति उनकी नफरत को दिखाता है। योगी ने कहा कि यह हरकत न सिर्फ कल्याण सिंह का अपमान थी, बल्कि जाति-आधारित अपमान भी थी। उन्होंने कहा कि यह हर उस हिंदू का अपमान था जो मानता है कि बाबूजी का जीवन

सनातन मूल्यों और हिंदू गौरव के लिए समर्पित था। साक्षी महाराज ने बिल्कुल सही कहा कि अब ये लोग क्या कहेंगे, इन पर कोई भरोसा नहीं है। वे गिद्धों की तरह हैं जो उसी पेड़ को खा जाते हैं जिस पर वे चढ़ते हैं। योगी ने कहा कि शबाबूजीश कल्याण सिंह जी दबाव में आकर काम करने वाले नहीं थे। वे कहते थे कि श्रृंखला सिंह टूट सकता है, लेकिन झुक नहीं सकता। उन्होंने जीवन भर अपने इस वचन को निभाया...। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी के च्व। फॉर्मूले पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो लोग हालात के हिसाब से शिरोरगिट की तरह रंग बदलते हैं, वे श्रृंखला अक्षर के अलग-अलग मतलब निकालते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि वे कभी का मतलब पिछड़ा बताते हैं, तो कभी पंडित, और हो सकता है कि एक दिन वे इसे पाकिस्तान भी बताने लें। बीजेपी कल्याण सिंह की पुण्यतिथि को शहिद गौरव दिवस के तौर पर मनाती है। इस मौके पर लखनऊ के एकाना स्टेडियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह, कल्याण सिंह के पोते, और उनके बेटे व पूर्व सांसद राजवीर सिंह (जिन्हें 'राजू भैया' के नाम से भी जाना जाता है) भी मौजूद थे। योगी ने बताया कि कल्याण सिंह ने अपनी सरकार की कुर्बानी दे दी, लेकिन कहा कि राम भक्तों पर गोली नहीं चलाई जाएगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए



किसानों को बाजार के अनुरूप उचित मुआवजा दिलाने की पहल तेज, मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में अहम बैठक

संवाददाता। लखनऊ। मुख्यमंत्री से हुई इस मुलाकात के दौरान उपस्थित अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार के समक्ष भी किसानों की भूमि के मूल्य निर्धारण, क्षेत्र में तेजी से बढ़े जमीन के बाजार भाव तथा प्राधिकरण की आवंटन दरों में हुई वृद्धि का विषय विस्तार से रखा गया। ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों की भूमि के उचित मुआवजे एवं अन्य संबंधित समस्याओं के समाधान की दिशा में आज ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं प्राधिकरण के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। किसानों की मुआवजा दर को वर्तमान बाजार परिस्थितियों के अनुरूप पुनरीक्षित किए जाने का विषय पिछले कुछ दिनों से जनप्रतिनिधियों द्वारा लगातार शासन एवं प्राधिकरण के स्तर पर उठाया जा रहा है। 17 अगस्त 2026 को आयोजित कोर कमिटी की बैठक में भी किसानों को उनकी भूमि का उचित मुआवजा दिलाए जाने का विषय प्रमुखता से उठाया गया था। बैठक में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री नरेंद्र भाटी, विधान परिषद सदस्य श्री श्रीचंद शर्मा तथा दादरी विधायक तेजपाल नागर जी ने संयुक्त रूप से यह विषय जनपद के प्रभारी मंत्री श्री बृजेश कुमार सिंह के समक्ष रखा था। जनप्रतिनिधियों ने कहा था कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में तेजी से हुए विकास, जमीन के बढ़ते बाजार मूल्य और महंगाई को देखते हुए

किसानों की भूमि की परियोजनाओं, बेहतर कनेक्टिविटी तथा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे बड़े विकास कार्यों के कारण क्षेत्र में जमीन के बाजार मूल्य में



परिस्थितियों के अनुरूप उचित मूल्य प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री के समक्ष भी रखा गया किसानों का विषय। इसी क्रम में एक दिन पूर्व जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से भेंट कर, किसानों की समस्याओं और विशेष रूप से ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में भूमि की कृषिभूमावजा दर को वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप बढ़ाए जाने के विषय पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री से हुई इस मुलाकात के दौरान उपस्थित अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार के समक्ष भी किसानों की भूमि के मूल्य निर्धारण, क्षेत्र में तेजी से बढ़े जमीन के बाजार भाव तथा प्राधिकरण की आवंटन दरों में हुई वृद्धि का विषय विस्तार से रखा गया। प्राधिकरण अपनी दरें बढ़ाता है तो किसान की भूमि दर की भी हो समीक्षाबैठक में जेवर विधायक ने कहा कि ग्रेटर नोएडा आज एनसीआर के सर्वाधिक तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों में शामिल है। औद्योगिक निवेश, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, डेडिकेटेड फ्रेट

व्यापक वृद्धि हुई है। उन्होंने अधिकारियों के समक्ष यह तथ्य भी रखा कि प्राधिकरण महंगाई, विकास लागत एवं बाजार परिस्थितियों के अनुरूप समय-समय पर अपनी आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक, गुप हाउसिंग एवं अन्य श्रेणियों के भूखंड आवंटन दरों में वृद्धि करता रहा है। ऐसे में किसानों की भूमि कृषिभूमावजा दर की भी उसी आर्थिक वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए समयबद्ध समीक्षा होनी चाहिए। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि "ग्रेटर नोएडा के विकास की नींव यहां के किसानों की जमीन और उनके सहयोग पर खड़ी है। हम प्राधिकरण की विकसित भूमि की कीमत किसान को देने की बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन जिस विकास के कारण पूरे क्षेत्र की भूमि के बाजार मूल्य में व्यापक वृद्धि हुई है, उसका न्यायोचित लाभ उस मूल भू-स्वामी किसान को अवश्य मिलना चाहिए, जिसने विकास के लिए अपनी जमीन दी है।" जेवर के विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि किसानों की भूमि का मूल्य निर्धारित करते समय

शराब ठेके पर विवाद के बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो गिरफ्तार और दो बाल अपचारी संरक्षण में

संवाददाता। लखनऊ, । महिगवां थाना क्षेत्र में शराब के ठेके पर हुए विवाद के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त धार कार और लकड़ी का फट्टा बरामद किया है। मामले में चार मोबाइल फोन और 36,700 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार ग्राम अट्टेसुआ, थाना इटौंजा निवासी सोनू सिंह ने 19 अगस्त को महिगवां थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई मोनू उर्फ दिलीप सिंह के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर महिगवां थाने में मुकदमा संख्या 126/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

शराब ठेके पर विवाद के बाद युवक की पीट-पीटकर हत्या, दो गिरफ्तार और दो बाल अपचारी संरक्षण में

संवाददाता। लखनऊ, । महिगवां थाना क्षेत्र में शराब के ठेके पर हुए विवाद के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त धार कार और लकड़ी का फट्टा बरामद किया है। मामले में चार मोबाइल फोन और 36,700 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार ग्राम अट्टेसुआ, थाना इटौंजा निवासी सोनू सिंह ने 19 अगस्त को महिगवां थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई मोनू उर्फ दिलीप सिंह के साथ अज्ञात लोगों ने मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। तहरीर के आधार पर महिगवां थाने में मुकदमा संख्या 126/2026, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया।

भारत-जापान की युवा पीढ़ी के संवाद से मजबूत होगी दोस्ती, मुख्यमंत्री योगी ने कहा- विद्यार्थी बनेगे दोनों देशों के भविष्य के राजदूत

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश–जापान निवेश बैठक–2026 के क्रम में आयोजित विशेष कार्यक्रम ‘ए डायलॉग विद द प्यूचर’ में भारत और जापान के विद्यार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री और जापान के यामानाशी प्रान्त के गवर्नर कोटारो नागासाकी की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में यामानाशी से आए 13 विद्यार्थियों और उनके फैकल्टी सदस्यों ने लखनऊ के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ विचारों और अनुभवों का आदान–प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने जापानी विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों तथा लखनऊ के विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत जापानी अमिवादन ‘ओहायो गोजाइमासु’ से की। उन्होंने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश की राजधानी है और 25 करोड़ से अधिक आबादी वाला उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। यह प्रदेश भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है, और इसे भारत का हृदयस्थल भी कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस अवध क्षेत्र में यह संवाद हो रहा है, उसी क्षेत्र में अयोध्या स्थित है, जो भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। मुख्यमंत्री ने जापानी विद्यार्थियों की उत्तर प्रदेश यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने आगरा में ताजमहल देखा है। मथुरा, भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि, भी उनके निकट है। अब उन्हें वाराणसी और सारनाथ जाने का अवसर मिलेगा। सारनाथ वह पवित्र स्थल है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद अपना प्रथम उपदेश दिया था। वाराणसी विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। इस प्रकार जापान से आए विद्यार्थियों के लिए उत्तर प्रदेश की यात्रा केवल पर्यटन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिकता, संस्कृति और सभ्यतागत विरासत को करीब से समझने का अवसर भी है। योगी ने कहा कि यह केवल विद्यार्थियों का मिलन नहीं, बल्कि दो संस्कृतियों, दो परम्पराओं और दो देशों की युवा पीढ़ियों का मिलन है।

है।योगी ने कहा कि जापान की शक्ति आत्मअनुशासन, परिशुद्धता, गुणवत्ता, टीम भावना और नवाचार में है, जबकि भारत की शक्ति युवा शक्ति, प्रतिभा, विविधता, सृजनात्मकता और सबको साथ लेकर चलने की भावना में है। जब भारत और जापान की इन शक्तियों का मेल होगा तो इसका लाभ केवल दोनों देशों के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज वे विद्यार्थी हैं, लेकिन आने वाले वर्षों में इन्हीं में से वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, कलाकार, खेल चैंपियन, नीति निर्माता और वैश्विक नेतृत्वकर्ता निकलेंगे। इसलिए उन्हें एक–दूसरे की भाषा सीखने के साथ–साथ एक–दूसरे की भावनाओं को समझने का भी प्रयास करना चाहिए। एक–दूसरे की संस्कृति, मूल्यों और जीवन–दृष्टि का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सबसे मजबूत रिश्ते कक्षाओं, परिसरों, प्रयोगशालाओं और युवा मस्तिष्कों के बीच बनते हैं। आज के यही बच्चे कल भारत–जापान साझेदारी के सबसे प्रभावशाली राजदूत होंगे। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन का समापन जापानी भाषा में ‘अरिगातो गोजाइमासु’ कहकर किया।यामानाशी प्रान्त के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के विद्यार्थियों को संवाद का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। उन्होंने लखनऊ के विद्यार्थियों का भी विशेष धन्यवाद किया, जिन्होंने जापानी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।गवर्नर ने कहा कि दोनों देशों को बेहतर ढंग से जोड़ने के लिए पहले यह समझना जरूरी है कि दोनों देशों में क्या समानताएं हैं और क्या भिन्नताएं। उन्होंने भारत के ‘वकुपेव कुटुम्बकम्’ और यामानाशी की ‘वकुपेव कुटुम्बकम्’ और यामानाशी की उस सोच का उल्लेख किया, जिसमें एक–दूसरे के लोगों को समृद्ध बनाने के साथ अपनी समृद्धि सुनिश्चित करने की भावना निहित है।नागासाकी ने कहा कि यह मुलाकात केवल एक दिन का कार्यक्रम बनकर नहीं रहनी चाहिए। दोनों देश साथ मिलकर आगे बढ़ें और युवा पीढ़ी भारत–जापान मैत्री को और मजबूत बनाए, यही इस संवाद की सबसे बड़ी अपेक्षा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने जापानी

रीवा राजमार्ग पर ट्रैक्टर-टाली पलटी, 2 महिलाओं की मौत

प्रयागराज। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के प्रयागराज–रीवा हाईवे (एनएच–30) पर सुरवल साहनी के पास शुक्रवार सुबह मजदूरों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि करीब 20 मजदूर घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर के सामने अचानक एक बाइक आ गई। बाइक को बचाने के चक्कर में चालक ने नियंत्रण खो दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बारा थाना क्षेत्र के सोनरा गांव से करीब 42 मजदूर धान की रोपाई करने शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के सुरवल गांव जा रहे थे। दोनों गांवों के बीच करीब 5 किलोमीटर की दूरी है। सभी मजदूर ट्रैक्टर–ट्रॉली में सवार होकर खेतों में काम करने के लिए निकले थे। ट्रैक्टर मवैया के प्रधान का बताया जा रहा है। जैसे ही ट्रैक्टर–ट्रॉली प्रयागराज–रीवा हाईवे पर

सुरवल साहनी के पास पेट्रोल पंप के नजदीक पहुंची, तो सामने से तेज रफ्तार बाइक आ गई। बाइक को बचाने की कोशिश में चालक ने अचानक ट्रैक्टर मोड़ दिया। इससे उसका नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रैक्टर डिवाइडर पर चढ़ गया।

डिवाइडर से टकराने के बाद ट्रैक्टर–ट्रॉली सड़क पर पलट गई। ट्रॉली में बड़ी संख्या में मजदूर बैठे होने के कारण कई लोग उसके नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। लोग अपने साथियों और परिजनों को खोजने लगे।

आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और ट्रॉली के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालना शुरू किया।

महिला ने बुजुर्ग से 28 हजार ठगे, टैक्स के नाम पर वसूली की खुद को पीएफआरडीए अफसर बताया, 2.50 लाख का झांसा दिया

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर के उचवागढ़ी निवासी बुजुर्ग मोहम्मद शोहराब मलिक को एक महिला ने खुद को पीएफआरडीए कार्यालय का अधिाकारी बताकर फोन किया। महिला ने बताया कि उनके नाम से एक फाइल आई है, जिसमें 2.50 लाख रुपए की सीपीएफ राशि मौजूद है। रकम खाते में लेने के लिए अलग–अलग औपचारिकताएं पूरी करने का झांसा देकर उनसे कुल 28,150 रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। महिला ने कभी फाइल चार्ज, कभी बैंकिंग फॉर्म और आरटीजीएस– नोटरी चार्ज तो कभी टैक्स के नाम पर पैसे मांगे। 15 अगस्त की छुट्टी का हवाला देकर जल्द भुगतान करने का दबाव भी बनाया। रकम देने के बाद जब बुजुर्ग ने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने फिर रकम की मांग शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने साइबर क्राइम थाने में

शिकायत की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बैंक खातों और यूपीआई लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैंट थाना क्षेत्र के राजापुर के उचवागढ़ी निवासी मोहम्मद शोहराब मलिक के मोबाइल पर 11 अगस्त को दोपहर करीब 1रु56 बजे एक महिला का फोन आया। उसने अपना नाम पायल वर्मा बताया और खुद को पीएफआरडीए कार्यालय का अधिाकारी बताया। बातचीत के दौरान महिला ने कहा कि शोहराब के नाम से पीएफआरडीए में एक फाइल आई है।महिला ने उन्हें फाइल नंबर एपीआर 1096 और पिन नंबर एजी 1319 भी बताया। इसके बाद कहा कि फाइल में उनके नाम पर 2,50,500 रुपए की सीपीएफ राशि उपलब्ध है। रकम हासिल करने के लिए कुछ सरकारी और बैंकिंग औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।

शोहराब महिला की बातों में आ गए। ठग ने सबसे पहले फाइल चार्ज के नाम पर 1,950 रुपए जमा करने को कहा। इसके बाद 14 अगस्त को महिला ने बैंकिंग फॉर्म–16, पीएफ फॉर्म–19, आरटीजीएस और नोटरी चार्ज का हवाला दिया। इसने औपचारिकताओं के नाम पर उनसे 15,500 रुपए दूसरे बैंक खाते में जमा करा लिए गए। इसके बाद महिला ने कहा कि 2.50 लाख रुपए खाते में आने से पहले 10,700 रुपए टैक्स के रूप में जमा करने होंगे। शोहराब ने जब बताया कि बैंक बंद हो चुका है और वह रकम जमा नहीं कर पाएंगे तो महिला ने भुगतान को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने कहा कि 15 अगस्त को छुट्टी है। अगर उसी दिन रकम जमा नहीं की गई तो पूरी राशि डूब जाएगी।ढाई लाख रुपए मिलने की उम्मीद में शोहराब घबरा गए। उन्होंने 14 अगस्त की शाम करीब 5रु06

बजे बताए गए यूपीआई नंबर पर 10,700 रुपए भी भेज दिए। इस तरह तीन अलग–अलग भुगतानों में उनसे कुल 28,150 रुपए ट्रांसफर करा लिए गए।

रकम भेजने के बाद शोहराब को महिला की बातों पर शक हुआ। उन्होंने कहा कि अगर उनका काम नहीं हो सकता तो उनके पैसे वापस कर दिए जाएं। आरोप है कि महिला ने रकम लौटाने के बजाय उनसे दोबारा पैसे की मांग शुरू कर दी। शोहराब ने साइबर क्राइम थाने में तहरीर देकर आरोपी के मोबाइल नंबर, कॉल लॉग, बैंक खातों की जानकारी, यूपीआई नंबर, ट्रांजेक्शन आईडी और अन्य दस्तावेज पुलिस को उपलब्ध कराए हैं।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। साइबर थाना पुलिस बैंक खातों और यूपीआई लेनदेन की जांच कर रही है।

खेल चोट प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. दविंदर सिंह सम्मानित ‘स्पोर्ट इंडिया अवॉर्ड फॉर एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेंट’ से नवाजा गया

विजडम इंडिया नई दिल्ली। खिलाड़ियों की चोटों के बेहतर उपचार, प्रबंधन और पुनर्वास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सफदरजंग अस्पताल के स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर के डायरेक्टर प्रोफेसर डॉ. दविंदर सिंह को प्रतिष्ठित ‘Sport India Award for Excellence in Sports Injury Management’ से सम्मानित किया गया।

यह सम्मान Physical Education Foundation of India (PEFI) की ओर से प्रदान किया गया। डॉ. दविंदर सिंह को खेल चोटों के निदान (Diagnosis), उपचार एवं प्रबंधन (Management) और पुनर्वास (Rehabilitation) के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान और पेशेवर उत्कृष्टता के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया।

भारत मंडपम में हुआ सम्मान समारोह सम्मान समारोह 21 अगस्त 2026 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित Sport India Conference - Award 2026 के दौरान हुआ। यह आयोजन 20 से 22 अगस्त तक चल रहे Sport India Conference - Award 2026 का हिस्सा था।

डॉ. दविंदर सिंह का स्पोर्ट्स इंजरी के क्षेत्र में काम खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। खेल के दौरान होने वाली चोटों के सही समय पर निदान, प्रभावी उपचार और वैज्ञानिक पुनर्वास के जरिए खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से दोबारा मैदान में लौटने में मदद मिलती है।

खिलाड़ी की वापसी पर विशेष जोर स्पोर्ट्स इंजरी मैनेजमेंट में उपचार के साथ–साथ खिलाड़ी को उसकी फिटनेस और प्रदर्शन क्षमता के अनुरूप दोबारा मैदान पर लाना महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी क्षेत्र में डॉ. सिंह के योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

PEFI ने अपने आधिकारिक पत्र में डॉ. सिंह के sports injury diagnosis, management and rehabilitation के क्षेत्र में योगदान और professional excellence को सम्मान का आधार बताया है।

डॉ. सिंह को मिले इस सम्मान को खेल चिकित्सा और खिलाड़ी स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके योगदान की महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखा जा रहा है। समारोह में खेल जगत और खेल चिकित्सा से जुड़े लोगों की मौजूदगी में उन्हें सम्मानित किया गया।

उमरे मुख्यालय से सोनिया कुशवाहा के माउंट कुन अभियान के लिए झंडी दिखाकर किया खाना

प्रयागराज। महाप्रबंधक कार्यालय में उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा सोनिया कुशवाहा के माउंट कुन अभियान के लिए विदाई और झंडी दिखाकर खाना करने का समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर म्ध्य रेलवे के महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह, प्रधान विद्याकाण्ध्यों के साथ, पर्वतारोही सोनिया कुशवाहा को माउंट कुन (7,077 मीटरए 23,210 फीट) के ऊंचे अभियान पर जाने के लिए शुभकामनाएं देने और झंडी दिखाकर खाना

करने हेतु एकत्रित हुए।समारोह के दौरान जीएम नरेश पाल सिंह ने सुश्री कुशवाहा को राष्ट्रीय ध्वज सौंपा। लद्दाख में जंस्कार रेंज के नून–कून मैसिफ में स्थित, माउंट कुन भारत की सबसे प्रमुख 7,000 मीटर ऊंची चोटियों में से एक माना जाता है, जो अपनी तरकनीकी ग्लेशियर और बर्फ पर चढ़ाई की चुनौतियों के लिए जाना जाता है।

उत्तर मध्य रेलवे के झॉसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत सुश्री सोनिया कुशवाहा,

विश्व आयुर्वेद परिषद एवं प्रेमाधार रिसर्च इंस्टीट्यूट के संयुक्ततत्वावधान में महर्षि चरक जयंती संपन्न

विजडम इंडिया नई दिल्ली, 19 अगस्त 2026 – विश्व आयुर्वेद परिषद, दिल्ली ईकाई एवं प्रेमाधार रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं हॉस्पिटल, दिल्ली

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। मंच संचालन सुप्रसिद्ध वैद्य स्वामी नाथ मिश्र, आचार्य, संस्थापक आयुरपुरा आयुर्वेद

हुए घोषणा की कि विश्व आयुर्वेद परिषद का वार्षिक सम्मेलन दिया जाे. के.के. द्विवेदी, सदस्य – बोर्ड ऑफ आयुर्वेद, NCISM ने आयुर्वेद विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही अपनाने का सुझाव दिया।

डॉ. राजेश कोहली, मेडिकल सुपरिटेण्डेंट – DDU अस्पताल ने आयुर्वेद चिकित्सा के महत्व की चर्चा करते हुए आयुर्वेद चिकित्सा के महत्व को समझाया।

डा.संगीता मिश्र तिब्बिया कालेज की मौलिक सिध्दांत की आचार्या ने संहिता पर शोध करने का सुझाव दिया

डा.मीना देवगढ़ प्रोफेसर एवं हेड ड्रय्य गुण आल इंडिया आयुर्वेद संस्थान ने आयुर्वेद का आधार वनस्पतियों को बताया तथा परिषद द्वारा होने वाली वनांचल की यात्रा को मात्र एक बार नहीं अनेक बार जाकर वनवासियों से चर्चा कर परंपरा से प्राप्त उनके ज्ञान को समझकर अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर डा.महेश कुमार, एशोशियेट प्रोफेसर, डा. विजय कोशिक, डा.हिमांशु शेखर तिवारी, कर्मा आयुर्वेद, डा.शुभम रोहिल्ला,डॉ. अवधेश पांडेय, निदेशक – स्वामी वैद्य शाला एवं डॉ. शिवानी मिश्रा पांडेय, संचालिका भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय सहभागिता–

इस अवसर पर जापान से श्रीमती मिहो अरोआका, इटली से श्री शुभ जी, अध्यक्ष – स्कूल ऑफ आयुर्वेद, मिलानो, फ्रेंचेस्का एवं गाया भी उपस्थित रही।

कार्यक्रम के अंत में वैद्य डॉ नामभार शर्मा,अध्यक्ष विश्व आयुर्वेद परिषद, दिल्ली ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विश्व आयुर्वेद परिषद ने संकल्प लिया कि वह आयुर्वेद को घर–घर तक पहुंचाने और ‘एकम स्वस्थं भारतम्’ के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम के पश्चात सभी आगंतुकों के लिए सहभोज हेतु आमंत्रित किया।

एवं विद्यार्थियों से शीघ्र रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की। डॉ. सुश्रुत कनौजिया, अध्यक्ष – बोर्ड ऑफ एधिक्स एंड रजिस्ट्रेशन ऑफ मेडिकल प्रैक्टिशनर्स, NCISM ने कहा कि ‘आयुर्वेद चिकित्सकों के लिए नैतिक आचरण और रोगी कल्याण सर्वोपरि होना चाहिए।’

श्री मन्नु भाई गौर, निदेशक – CBPACS, नई दिल्ली ने

वैद्यों को सम्बोधित करते हुए महर्षि चरक के योगदान को चिकित्सा जगत के लिए विशेष रुपसे



के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि चरक जयंती का भव्य आयोजन प्रेमाधार रिसर्च इंस्टीट्यूट एवं हॉस्पिटल, दीप विहार, रोहिणी सेक्टर 24, दिल्ली में सायं 6:30 बजे संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. महेश व्यास, डीन – PGAI-IA, आल इंडिया आयुर्वेद संस्थान दिल्ली ने की। मुख्य अतिथि प्रो. अल्लम प्रभु, अध्यक्ष – बोर्ड ऑफ आयुर्वेद, छैडैड एवं मुख्य वक्ता वैद्य योगेश पांडे, प्रोफेसर – CBPACS रहे।

अस्पताल बोल्लानो इटली एवं स्वामी वैद्य शाला द्वारका, दिल्ली ने किया।

इस अवसर पर विद्वान वक्ताओं ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए।

प्रो. अल्लम प्रभु ने आयुर्वेद शिक्षा की गुणवत्ता और राष्ट्रीय आयुर्वेद शिक्षा मानकों पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हमें पारंपरिक ज्ञान की वैज्ञानिक प्रमाणों के साथ जोड़ना होगा।

वैद्य योगेश पांडे ने चरक जयंती के महत्व की चर्चा करते

अनफिट स्कूली वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग का अभियान, नौ वाहन निरुद्ध

सुलतानपुर। बच्चों के सुरक्षित परिवहन को लेकर चलाए जा रहे 'मिशन सेफ पय्चर 2.0' के तहत शुक्रवार को जिले में अनफिट एवं अनाधिकृत रूप से संचालित स्कूली वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग ने व्यापक अभियान चलाया। कार्रवाई में नौ वाहनों को निरुद्ध किया गया, जबकि चार अन्य वाहनों का चालान किया गया। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर 11 से 25 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), अयोध्या संजय कुमार झा के नेतृत्व में जिले में कार्रवाई की गई। इस दौरान यश कान्चेंट स्कूल, शेम्फोर्ड इंटरनेशनल स्कूल और स्टेला मॉरिस कान्चेंट स्कूल का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान अनाधिकृत रूप से संचालित नौ स्कूली वाहनों को निरुद्ध करने के साथ चार अन्य वाहनों के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान संभागीय परिवहन अधिकारी ने एआरटीओ कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) को दोनों प्रवर्तन टीमों की ब्लॉकवार ज़ूट्टी लगाकर अनफिट और बिना परमिट संचालित स्कूली वाहनों के खिलाफ नियमित रूप से चालान एवं निरुद्ध करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।कार्रवाई के दौरान एआरटीओ (प्रशासन) अलका शुक्ला, एआरटीओ (प्रवर्तन) भूषे़श कुमार गुप्ता, यात्री कार अधिकारी शैलेन्द्र तिवारी, संभागीय निरीक्षक फंफ़ज तथा प्रवर्तन दल के राघवेंद्र, ओमप्रकाश और अफ़जाल मौजूद रहे।विभाग की ओर से बताया गया कि 25 अगस्त को एआरटीओ कार्यालय में स्कूली वाहन चालकों के स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण का आयोजन किया जाएगा।

सीएचसी अधीक्षक का दवा बाहर की दवा लिखते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल दो दिन पूर्व बाहर की दवा लिखने के विवाद को दिया गया था जानलेवा हमले का रूप

सुल्तानपुर। अखांडनगर सीएचसी पर हुए अधीक्षक पर हुए हमले मामले में नया मोड़ आ गया है।जेल गए युवक के भाई ने अधीक्षक पर बाहर की दवा लिखने के आरोप में हुए विवाद में जानलेवा हमले का आरोप लगाते हुए उसके भाई को जेल भेजवाने का आरोप लगाया है। साथ ही अधीक्षक का पर्चा पर बाहर की दवा लिखते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बता दे कि बुधवार को अखंड नगर थाना क्षेत्र के प्राणनाथपुर बछेड़िया गांव निवासी सचिन गौड़ पुत्र विनोद गौड़ को अखननगर पुलिस ने सीएचसी अधीक्षक डॉ

सतेंद्र सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में जेल भेज दिया था।मामले में जेल गए सचिन गौड़ के भाई आकाश गौड़ का आरोप है कि बुधवार को उसे ख़ुबार था वह भाई सचिन के साथ दिखाने सीएचसी गया था।सीएचसी में अधीक्षक द्वारा बाहर की दवा लिखी गई जब उसके भाई सचिन ने चिकित्सक से अंदर की दवा देने को कहा तो चिकित्सक भड़क गए और उसका पर्चा फेंकते हुए कहा कि अब नहीं देखेंगे जाओ बाहर दिख़ा लो।जब उसके भाई ने दुबारा पर्चा रखा तो उन्होंने पर्चा फाड़ दिया और उसके भाई सचिन

को बाहर ले जाकर अपने साथियों के साथ मारपीट की।उसके बाद फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनाकर उसके भाई को जानलेवा हमले के अपराध में जेल भेजवा दिया।

आरोप लगाने के साथ ही आकाश गौड़ ने एक वीडियो भी वायरल करवाया है जिसमें चिकित्सक द्वारा सरकारी पर्चे के अलावा छोटी पर्ची पर बाहर की दवा लिखी जा रही है। इस बाबत सीएमओ भारत भूषण से वार्ता की गई तो उन्होंने कहाकि वायरल वीडियो की पुष्टि नही है कि कब का है।

बोरी में शराब का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सोशल मीडिया में वीडियो वायरल होने के बाद भी जांच के लिए नहीं पहुंचे आबकारी इंस्पेक्टर

सुल्तानपुर। जिले के करौंदी कला कस्बे में एक दुकान के सामने बोरी में रखी देशी दारु का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो वायरल होने के बाद भी सप्लाई इंस्पेक्टर द्वारा जांच न करके मामले ने लीपापोती की जा रही है। बता दे कि शुक्रवार को करौंदी कला कस्बे में एक दुकान के सामने बोरी में रखे देशी दारु की पैकेटों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।वीडियो वायरल होने के बाद

जब इस मामले में जिला आबकारी अधिकारी महेंद्र वर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मामले की जांच के लिए कादीपुर आबकारी इंस्पेक्टर को निर्देशित किया गया है।जब आबकारी इंस्पेक्टर कादीपुर ब्रूज राज सिंह से जांच पड़ताल के बारे में पूछा गया तो लीपापोती करते हुए कहा कि अनुज्ञापी से जब पूछा गया तो उसने कहा कि उसकी दुकान बंद थी।किसने दारु की पैकेट रखी है उसे जानकारी नहीं है।जांच के नाम पर उन्होंने

कहा कि शुक्रवार को जांच नहीं की जा सकी।शनिवार को देखा गया।[अब सवाल यह है कि जिस दिन वीडियो वायरल हुआ जब उस दिन विभागीय अधिकारी द्वारा जांच नहीं की जाएगी।तो दूसरे दिन किस बात की जांच करेंगे। सूत्रों के अनुसार अनुज्ञापी द्वारा प्रतिदिन सुबह से ही सरकारी दुकान का शटर बंद करके दारु की बिक्री कराई जाती है।जिससे कस्बे वासी परेशान है।

शिक्षकों-कर्मचारियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

सुल्तानपुर । पुरानी पेंशन बहाली और सेवारत शिक्षकों के लिए टेट की अनिवार्यता के विरोध में अटेवा सुल्तानपुर के जिलाध्यक्ष अशोक सिंह गौरा के नेतृत्व में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिकोनिया पार्क से शुरु हुई यात्रा डाकखाना, जिला अस्पताल व आजाद पार्क होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया। यात्रा में सैकड़ों शिक्षकों--कर्मचारियों के साथ विभिन्न विभागों एवं शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। हाथों में तिरंगा लेकर प्रतिभागियों ने पुरानी पेंशन बहाली के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों के बुढ़ापे की सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन से जुड़ा अधिकार है। सेवारत शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता को लेकर भी वक्ताओं ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों के हितों और सेवा-सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार को न्यायपूर्ण निर्णय लेना चाहिए। कार्यक्रम में महामंत्री मोहम्मद हसीब, सुरेंद्र कुमार मौर्य, मनोज प्रभाकर सिंह, विवेकानंद मिश्रा, चंद्रपाल राजभर, अनुराग श्रीवास्तव, गरिमा चौरीश्या सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी व हजारों शिक्षक-कर्मचारी मौजूद रहे। अटेवा ने अधिकारों की मांग को लेकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग, क्षत्रिय कल्याण परिषद ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

सुलतानपुर। आरक्षण व्यवस्था और एससी-एसटी एक्ट में बदलाव की मांग को लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद की जिला इकाई ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद परिषद के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन में परिषद ने सर्वग्न आयोग के गठन, एससी-एसटी एक्ट की समीक्षा तथा मौजूदा आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग उठाई। संगठन ने कहा कि आरक्षण का आधार आर्थिक स्थिति को बनाया जाना चाहिए। साथ ही पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था समाप्त करने और यूजीसी से जुड़े नियमों की समीक्षा व आवश्यक संशोधन की मांग भी की गई। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि इन मांगों को लेकर सम्मान विचारधारा वाले संगठनों के साथ मिलकर अंदाजेतन आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने राष्ट्रपति से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करंदे हुए सकारात्मक निर्णय लेने का अनुरोध किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह, वरिष्ठ महासचिव रजनीश कुमार सिंह समेत परिषद के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

लखनऊ, शनिवार 22 अगस्त 2026

सरकारी जमीन प्राइवेट स्कूल के नाम कराने वाला भू-माफिया सरगना कमला शंकर मिश्रा हुआ बेनकाब!

इटहरा गांव तहसील ज्ञानपुर के आदेश पर मांगा जवाब!

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्ती से भू माफियाओं में हड़कंप!

तहसील प्रशासन की भिली भगत से ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले भू-माफिया चिन्हित होंगे!

उच्च न्यायालय ने मांगा जवाब तीन हफ्ते में देनी होगी जानकारी!

भू-माफिया कमला शंकर मिश्रा के काले कारनामों का होगा भंडाफोड़!

माफिया सरगना के साथ मिलकर ग्राम सभा की जमीन हड़पने वाला कमला शंकर जाएगा जेल!

ग्राम सभा की जमीन निजी संस्थाओं को आवंटित करने के आरोप पर हाईकोर्ट सख्त, छह सप्ताह में मांगा जवाब

प्रयागराज। ज्ञानपुर तहसील में तेनात रहा पूर्व लेखपाल भू माफिया कमला शंकर मिश्रा अब बहुत ही जल्दी जेल की सलाखों के पीछे होगा। इसके काले कारनामों का भंडाफोड़ होने लगा है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ग्राम सभा की सरकारी जमीन निजी प्राइवेट संस्थानों को दिए जाने के मामले में ज्ञानपुर तहसीलदार और ज्ञानपुर तहसील प्रशासनिक अधिकारियों से जवाब मांगा है। अधिकारियों ने शासन प्रशासन को गुमराह करने के लिए झूठी व्याख्या भेजी थी।

कमला शंकर मिश्र को बचाने के लिए तहसीलदार और परगना अधिाकारी ज्ञानपुर तहसील और भदोही जमपद के जो दोषी अधिकारी हैं। जिन्होंने कमला शंकर मिश्र को बचाने के लिए फर्जी कागजात तैयार कराये थे। अब उन सब लोगों के खिलाफ कार्रवाई होने की तैयारी शुरु हो गई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ग्राम सभाओं की जमीन प्राइवेट संस्थानों को दिए जाने के मामले में बहुत कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित विभाग से जवाब मांगा है। ज्ञानपुर तहसील प्रशासन क्या जवाब देगा? इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं क्षेत्र में व्याप्त है! लोगों का कहना है कि विजय मिश्रा गिरोह के साथ मिलकर भोले भाले किसानों की जमीनों पर अवैध कब्जा करने वाले भू-माफिया कमला शंकर मिश्रा के दिन पूरे हो चुके हैं। बहुत ही जल्दी ये जेल की सलाखों के पीछे होगा। ग्राम सभा, ग्राम पंचायत की सरकारी जमीन का कूटरचित दस्तावेज तैयार करके इसने अपने स्कूल के पक्ष में जो फर्जी ढंग से दर्ज करवाई है। वही इसके खिलाफ अब कार्रवाई

का प्रमुख आधार बनने वाला है। ग्राम सभा एवं ग्रामीणों की भूमि को निजी संस्थाओं के पक्ष में आवंटित किए जाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित पक्षों को



नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार की अदालत ने Writ- B No - 3641 of 2026 की सुनवाई करते हुए मामले को विचार योग्य माना और respondent nos 3 एवं 4 को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। अदालत ने संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने के लिए निर्धारित समय भी दिया है। मामला चकबंदी की कार्यवाही के दौरान ग्राम सभा की बताई जा रही भूमि के निजी संस्थाओं के पक्ष में आवंटन से जुड़ा है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जय राज सिंह तोमर, कविता तोमर और पारुल तोमर ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। याचिका में 13 मई 2026 को पारित आदेश के साथ 13 जून 1987 को Assistant Consolidation Officer, Camp Itahra, Tehsil Gyanpur, District Sant Ravidas Nagar (Bhadohi) द्वारा पारित आदेश

विप्रा ने बदली मानचित स्वीकृति की व्यवस्था, फास्ट पास पोर्टल हुआ प्रभावी -अब 100 वर्गमीटर तक आवेदक स्वयं करा सकेंगे नक्शा स्वीकृत, 500 वर्गमीटर तक आर्किटेक्ट को अधिकार -फास्ट पास पोर्टल से जुलाई में करीब 75 प्रतिशत मामलों का समयबद्ध निस्तारण

(मथुरा) भवन निर्माण के लिए नक्शा स्वीकृत कराने के लिए अब आवेदकों को मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण (एमवीडीए) के विभिन्न पटलों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। प्राधिकरण ने नक्शा स्वीकृति की पुरानी व्यवस्था में बदलाव करते हुए फास्ट पास पोर्टल को पूरी तरह प्रभावी कर दिया है। नई व्यवस्था के शुरूआती परिणाम भी उत्साहजनक बताए जा रहे हैं। जुलाई में पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को निर्धारित समयसीमा के भीतर या उससे पहले स्वीकृति प्रदान की गई। मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिाकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागपन ने बताया कि नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से फास्ट पास पोर्टल लागू किया गया है। इसकी खासियत यह है कि नक्शा स्वीकृति के साथ विभिन्न विभागों से आवश्यक अनिवारित प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन कर दी गई है। अब आवेदक को एनओसी के लिए संबंधित विभाग को कार्यालय में जाकर पत्र जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। पोर्टल के माध्यम से एनओसी का अनुरोध संबंधित विभाग तक पहुंच

जाएगा। उन्होंने बताया कि फास्ट पास पोर्टल का उद्देश्य नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज करने के साथ ही आवेदकों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत देना है। पोर्टल पर आवेदन की स्थिति की जानकारी भी ऑनलाइन प्राप्त की जा सकेगी। इससे प्रक्रिया में जवाबदेही बढ़ेगी और अनावश्यक देरी की संभावना कम होगी। उपाध्यक्ष ने बताया कि नई व्यवस्था का प्रभाव जुलाई में देखने को मिला। पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को निर्धारित समयसीमा में स्वीकृति मिली। नई व्यवस्था के तहत आवेदक को फास्ट पास पोर्टल पर नक्शे के साथ आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। इसके बाद आवेदन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन आगे बढ़ेगी। 500 वर्गमीटर तक के भूखंडों पर बड़ी राहत एमवीडीए के नए बायलॉज के तहत नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को जोखिम के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। 0 से 100 वर्गमीटर तक के भूखंडों को लो रिस्क, 100 से 500 वर्गमीटर तक को मीडियम रिस्क तथा 500 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों को हाई रिस्क श्रेणी में

रखा गया है।

लो रिस्क श्रेणी में 100 वर्गमीटर तक के आवासीय भूखंडों का नक्शा आवेदक स्वयं पोर्टल के माध्यम से स्वीकृत करा सकता है। वहीं प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में 500 वर्गमीटर तक के आवासीय भूखंडों के नक्शे आर्किटेक्ट के माध्यम से पोर्टल पर स्वीकृत कराए जा सकते हैं। व्यावसायिक भूखंडों के लिए यह सीमा 30 वर्गमीटर तक निर्धारित है। इन श्रेणियों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्राधिकरण की अलग से स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी।

एनओसी के लिए भी नहीं लगाने होंगे चक्कर फास्ट पास पोर्टल के माध्यम से संबंधित विभागों से एनओसी प्राप्त करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन होगी। आवेदन के आधार पर संबंधित विभाग के लिए एनओसी का अनुरोध पोर्टल से स्वतः जनरेट होकर भेजा जाएगा। इससे आवेदक को अलग-अलग विभागों में जाकर पत्र जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी।

एक ही ऑनलाइन व्यवस्था के माध्यम से नक्शा स्वीकृति, एनओसी और आवेदन की स्थिति की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता आने की उम्मीद

ई-ऑफिस के बेहतर संचालन में सिंचाई खंड सुलतानपुर ने हासिल किया पहला स्थान

सुलतानपुर। शासन की मंशा के अनुरूप सरकारी कार्यालयों में ई-ऑफिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने की दिशा में सुलतानपुर जनपद में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के निर्देश एवं मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह की मॉनिटरिंग में ई-ऑफिस के माध्यम से विभागीय कार्यों के संचालन में जनपद ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसी क्रम में सिंचाई खंड सुलतानपुर ने पहला स्थान हासिल किया है। सिंचाई खंड के माध्यम सी कृषि आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने इस उपलब्ि का श्रेय मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार सिंह की लगातार मॉनिटरिंग और मार्गदर्शन को दिया। ई-ऑफिस व्यवस्था के तहत फाइलों के ऑनलाइन संचालन से सरकारी कामकाज में तेजी आने के साथ-साथ पारदर्शिता भी बढ़ रही है। अधिकारियों और कर्मचारियों को फाइलों के समयबद्ध निस्तारण के लिए लगातार निर्देशित किया जा रहा है।

से जोड़कर आवेदन खारिज किए जाने पर भी सवाल उठाया गया। अलग-अलग भूखंडों का विवाद होने का दावा याचिकाकर्ता के अनुसार पुराने मामले में Plot Nò. 345 और 1135 को लेकर विवाद था, जबकि वर्तमान याचिका Old Plot Nos- 347M] 360] 343M] 344/1M vkSj 362M से संबंधित है। याचिकाकर्ता का दावा है कि वर्तमान विवाद से जुड़े इन भूखंडों को अभिलेखों में ग्राम सभा की भूमि के रूप में दर्ज किया गया है। ऐसे में पुराने विवाद को आधार बनाकर वर्तमान मामले में कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया पर आपत्ति जताई गई है। याचिका में संबंधित अधिकारियों पर निजी संस्थाओं के पक्ष में भूमि आवंटन के संबंध में गलत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आरोप भी लगाया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया कि यदि भूमि ग्राम सभा की है तो उसके आवंटन और उससे संबंधित आदेशों की वैधानिकता की जांच आवश्यक है। इन दलीलों के आधार पर याचिकाकर्ता ने पूर्व में पारित आदेशों को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की। ‘मामला विचार योग्य’ मानते हुए जारी हुआ नोटिस सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले को प्रथम दृष्टया विचार योग्य माना। आदेश में “Matter re-quires consideration” कहा गया और respondent nos- 3 एवं 4 को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया। अदालत ने सभी तमैचवदकमदजे को छह सप्ताह के भीतर बवनदजमत िपि. कंअपज दाखिल करने का समय दिया है। इसके बाद याचिकाकर्ता को दो सप्ताह में rejoinder affidavit दाखिल करने का अवसर मिलेगा। अदालत ने निर्देश दिया है कि जवाब और प्रत्युत्तर दाखिल होने के बाद मामले को पुनः सूचीबद्ध किया जाए। इससे मामले में आगे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है और संबंधित पक्षों को अब अदालत के समक्ष अपना पक्ष एवं अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। अभी अंतिम फैसला नहीं, आगे की सुनवाई बाकी हालांकि मामले में हाईकोर्ट द्वारा नोटिस जारी किए जाने को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन अदालत ने इस स्तर पर ग्राम सभा की भूमि के निजी संस्थाओं को आवंटन को अवैध घोषित नहीं किया है। न ही आवंटन निरस्त करने का कोई अंतिम आदेश पारित हुआ है। फिलहाल अदालत ने मामले पर विचार की आवश्यकता मानते हुए संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। छह सप्ताह में counter affdavit और उसके बाद rejoinder affidavit दाखिल होने के पश्चात मामले की अगली सुनवाई होगी। मामले की आगे की सुनवाई में संबंधित भूमि के अभिलेख, पूर्व आदेशों, चकबंदी की कार्यवाही और आवंटन की वैधानिकता से जुड़े पहलुओं पर पक्षकारों की दलीलें सामने आने की संभावना है। हाईकोर्ट के अंतिम निर्णय के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि विवादित भूमि के आवंटन और पूर्व में पारित आदेशों के संबंध में अदालत का अंतिम रुख क्या रहता है।

दवा जलाये जाने का वीडियो वायरल

जौनपुर।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नेहरू नगर सिरकोनी के परिसर में दवा जलाये जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।उसे लेकर काफी चर्चा है।मामला उच्चाधिाकारियों के संज्ञान में आ गया है।अब जांच की जा रही है। वीडियो में उक्त स्वास्थ्य केंद्र के बाउंड्रीवाल के पास कुछ दवाएं व कार्टून आदि जलता दिखाई दे रहा है।इसका वीडियो डीएम के संज्ञान में पहुंच गया।उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी गंगाराम को मामले के जांच करने का आदेश दिया।जिसके बाद सीएमओ ने नेहरूनगर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजीव कुमार से मामले में स्पष्टीकरण मांगा है।प्रभारी चिकित्सा अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि मैंने मामले की जांच किया।मुझे कुछ कार्टून व दवा के रैपर जले हुए दिखाई पड़े।उसके बाद मैंने दवा का स्टॉक चेक किया।वह सही मिला है।

गंभीर रोगियों के इलाज के लिए मिले 19.12 लाख

जौनपुर। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जिले के नौ मरीजों को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से उपचार के लिए आर्थिक सहायता स्वीकृत हुई है। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खिल एवं कल्याण गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से मरीजों को यह सहायता उपलब्ध कराई गई है। सहायता मिलने से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को महंगे इलाज में बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सुनील कुमार पाल निवासी सिद्धीकपुर को बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में उपचार के लिए 2.50 लाख रुपये, डब्लू निवासी तारापुर को होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल के लिए 2.50 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है। विनय कुमार सिंह निवासी ताहिरपुर को केजीएमयू लखनऊ के लिए 1.67 लाख 500 रुपये, दूधनाथ निवासी सैदपुर गडउर को एपेक्स सुपर स्पेशलिटी हेल्थ केयर के लिए 2.50 लाख रुपये, श्याम जी निवासी नदियापार को बीएचयू के कैंसर सेंटर के लिए 75 हजार रुपये तथा पप्पू निवासी मंडी नसीब खां और आशीष जायसवाल निवासी उर्दू बाजार को एपेक्स सुपर स्पेशलिटी हेल्थ केयर में उपचार के लिए 2.50-2.50 लाख रुपये की सहायता मंजूर हुई है। संगीता कुमारी निवासी पचोखर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में उपचार के लिए 1.20 लाख रुपये और आजाद निवासी तारापुर को बीएचयू के कैंसर सेंटर में उपचार के लिए 2.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इस प्रकार नौ लाभार्थियों के उपचार के लिए कुल 19 लाख 12 हजार 500 रुपये की सहायता स्वीकृत हुई है।

तालाब में डूबने से युवक की मौत

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के गंधौना गांव में लेगुरापर मस्जिद के पास जोगीबीर तालाब में डूबने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया।ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची। तालाब में युवक की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया गया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद फायर सर्विस के दीवान रामश्रय राव के प्रयास से युवक का शव तालाब से बाहर निकाला जा सका।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

वदे मातर के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की पोल खुली, नेहरु से लेकर राहुल तक एक ही पैटर्न?

‘वदे मातरम्’ के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्त्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है।‘मायेर स्तबेर अर्धेक ग्रहण, अर्धेक बर्जन, ए कैमन सन्तानेर भक्ति?’‘मातृभूमि के स्तुति गीत को आधा स्वीकारना और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है? भद्र बंगाल की सौ वर्षों की व्यथा, वेदना ही इस लोकोक्ति रूप में प्रकट हुई है। भारतीय स्वतंत्रता—संग्राम का शायद ही

कोई दूसरा गीत “वन्दे मातरम्” जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्भट उद्घोष बनी थी।15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित घृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है? कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे उपरिस्थत थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् को अपमान के इस

सम्पादकीय

विरोध प्रदर्शन मौलिक अधिकार

सर्वोच्च न्यायालय पहले यह कह चुका है कि जंतर–मंतर पर शांतिपूर्ण प्रतिरोध पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए।यह निराशाजनक है कि सर्वोच्च न्यायालय ने जंतर–मंतर से हटा कर प्राथमिक प्रतिरोध स्थल को रामलीला मैदान तय करने की याचिका को गंभीरता से लिया। नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से जंतर–मंतर पर विरोध प्रदर्शन के आयोजन पर पहले ही कई बंदिशें लग चुकी हैं। ऐसे में आशंका है कि सुप्रीम कोर्ट के ऐसी याचिका को अहमियत देने को सरकार एक अवसर के रूप में ले सकती है। इस हफ्ते एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें मांग की गई है कि राष्ट्रीय राजधानी में रामलीला मैदान को प्राथमिक प्रदर्शन स्थल बनाया जाए। कोर्ट ने इसे महत्वपूर्ण मामला मानते हुए सॉलीसिटर जनरल को केंद्र से इस पर सलाह लेने का निदेश दिया।यहां यह याद करना उचित होगा कि तीन दशक पहले विरोध ा प्रदर्शन का प्राथमिक स्थल बोट क्लब था, जो संसद भवन और राष्ट्रपति भवन के ठीक सामने है। विरोध के स्वर के प्रति असहनशीलता दिखाते हुए तत्कालीन सत्ताधारियों ने प्राथमिक प्रदर्शन स्थल को जंतर–मंतर तय कर दिया। दिल्ली पुलिस के मौजूदा नियमों के अनुसार किसी प्रदर्शन में 1,000 से कम लोग शामिल होने हों, तो जंतर–मंतर पर आयोजन की अनुमति दी जाती है। 1,000 से अधिक संभावित उपस्थिति के लिए रामलीला मैदान तय किया गया है। अभी हाल में जंतर–मंतर पर हुए शर्कोंकरोवच प्रदर्शन से सरकार के लिए कठिन स्थितियां पैदा हुईं। जंतर–मंतर से भी दूरी कम है, इसलिए वहां से संसद मार्च आयोजित करना आसान रहा है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका को इसी पृष्ठभूमि देखा जाना चाहिए। इस सिलसिले में खुद सर्वोच्च न्यायालय के 2018 में दिए एक निर्णय को याद करना उचित होगा, जब कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों को रामलीला मैदान शिप्ट करने के एक आदेश को खारिज कर दिया था। अदालत ने कहा था कि जंतर–मंतर या बोट क्लब जैसी जगहों पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि विरोध प्रदर्शन संविधान के तहत एक मौलिक अधिकार है। अब इस पैमाने को नहीं बदला जाना चाहिए। लोगों की आवाज संसद और सरकार तक पहुंच सके, इसके लिए निकटतम जगह पर प्रदर्शन के जन अधिकार की रक्षा अति अवश्यक है।

काले धन और अवैध सौदों का चक्र दूहेगा

समाज को चाहिए कि वह अपने आदर्श माने जाने वाली हस्तियों से उच्च नैतिक मानदंडों की अपेक्षा करे। फिर वो चाहे कोई प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता हो, आध्यात्मिक गुरु हो, उद्योगपति हो, या कोई अन्य मशहूर हस्ती, जांच एजेंसियों को बिना किसी दबाव के काम करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए और अदालतों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। आप दिन हमें यह देखने को मिलता है कि उद्योग जगत, मनोरंजन जगत, आध्यात्मिक संस्थाओं और खेल जगत के कुछ नामी–गिरामी हस्तियों के नाम बार–बार श्मनी लॉन्ड्रिंगघ, फॉर्जे सौदों और संदिग्ध वित्तीय लेन–देन के मामलों में चर्चा में आते हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने अपने–अपने क्षेत्रों में अपनी मेहनत, प्रतिभा और लोकप्रियता से करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीता है। फिर भी इनमें से कुछ लोग ऐसे हैं जो अपनी अच्छी छवि को दाव पर लगाकर कारन धन के सौदों में उलझ जाते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल उनके व्यक्तिगत पतन का संकेत है, बल्कि पूरे समाज में भ्रष्टाचार की जड़ों को और मजबूत करती है।

गौरतलब है कि इन हस्तियों के पास पहले से ही करोड़ों की अपार संपत्ति, ब्रांड एंडोर्समेंट, फिल्मों या म्यूजो से की गई कमाई और सामाजिक प्रतिष्ठा होती है। फिर भी वे अवैध गतिविधियों की ओर क्यों आकर्षित होते हैं? एक बड़ा कारण है लोभ। सफलता के बाद भी और अधिक धन और अधिक पावर की भूख कभी नहीं मिटती। कई बार वे सोचते हैं कि उनकी छवि इतनी मजबूत है कि कोई उन पर उंगली नहीं उठाएगा। कुछ लोग अपने व्यवसाय को श्विविधीकरणघ का नाम देकर रियल एस्टेट, शेल कंपनियों, दान के नाम पर काले धन को सफेद करना या विदेशी खातों के जरिए धन छिपाने की कोशिश करते हैं। ऐसे में उन्हें अपनी बनाई हुई प्रतिष्ठा एक सुरक्षा कवच लगती है, लेकिन असल में यह उनके गिरने का कारण बन जाती है।कई मामलों में यह भी देखने को मिलता है कि ये लोग अपने सरकारी संपर्कों और प्रभावशाली लोगों से परिचित होने के कारण अत्यधिक आत्मविश्वास महसूस करते हैं। उन्हें लगता है कि जांच एजेंसियां उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगी या मामला दबा दिया जाएगा। यह आत्मविश्वास अक्सर गलत साबित होता है, लेकिन तब तक नुकसान हो चुका होता है। लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है, चाहे वह कितना भी लोकप्रिय क्यों न हो। फिर भी व्यवहार में कई बार प्रभावशाली लोगों के खिलाफ जांच ः पीमी पड़ जाती है या सबूतों की कमी का हवाला देकर मामले कमजोर हो जाते हैं।भारत में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और अन्य एजेंसियां जब ऐसे मामलों की जांच करती हैं,



दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था। इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि — “सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गे जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थीं”। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनारस्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है। इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांेग्रेस के जमीनी

क्या कैप्टन ने सरकार के कप्तान पर ही सवाल

अपने आलेख में कैप्टन अमरिंदर सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि नरेंद्र मोदी के दौर ने भारतीय राजनीति और शासन की दिशा बदल दी है। उनके अनुसार, मोदी ने भारतीय जनता पार्टी को राजनीति के एक सीमित दायरे से निकालकर देशव्यापी शक्ति में बदला।पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने व्यक्ति–केंद्रित

मू-स्थानिक तकनीक से बुंदेलखंड और घाघरा क्षेत्र के विकास को मिलेगी नई दिशा

लखनऊ। 21 अगस्त, 2026 बदलती जलवायु, प्राकृतिक आपदाओं और तेजी से बदलते भू–उपयोग के दौर में किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों और भौगोलिक परिस्थितियों की सटीक जानकारी अत्यंत आवश्यक हो गई है। नदियों के बदलते प्रवाह से लेकर भू–आकृ तियों, जल निकासी, भूजल संभावनाओं और भूमि की संरचना तक, प्रत्येक घटक का वैज्ञानिक अध्ययन भविष्य की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी और टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग आधुनिक नू–स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का वैज्ञानिक मानचित्रण और अध्ययन कर रहा है। प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (आरसैक–यूपी) द्वारा घाघरा नदी की भू–आकृतिक गतिशीलता का व्यापक अध्ययन किया जा रहा है। वहीं बुंदेलखंड के आंसी, ललितपुर, बांदा, हमीपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों में जियोमॉर्फोलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक प्रबंधन और भविष्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रहा है। इन दोनों परियोजनाओं में उपग्रह आंकड़ों, भू–स्थानिक सूचना प्रणाली, क्षेत्रीय सर्वेक्षण तथा आधुनिक कृ त्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है।

घाघरा नदी के बदलते स्वरूप का वैज्ञानिक अध्ययन घाघरा उत्तर प्रदेश की महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जिसका प्रवाह और स्वरूप समय के साथ निरंतर बदलता रहा है। नदी के बहाव मार्ग में परिवर्तन, तटों का कटाव, जल निकासी तथा बाढ़ की स्थिति आसपास के क्षेत्रों के जनजीवन और कृषि भूमि को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में नदी के वर्तमान व्यवहार के साथ उसके संभावित भविष्य के स्वरूप को समझना प्रभावी नदी प्रबंधन और आपदा न्यूनीकरण के लिए आवश्यक है। इस उद्देश्य से आरसैक–यूपी द्वारा बहराइच से बलिया तक फैले घाघरा नदी उप–बेसिन की विस्तृत

कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा ‘वंदे मातरम्’ का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह ‘वंदे मातरम्’ और ‘मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेसी प्रवृत्ति’ के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया।

क्या कैप्टन ने सरकार के कप्तान पर ही सवाल

स्थायी लोकतांत्रिक ढांचे की ओर बढ़ना चाहिए। एक तरह से कैप्टन ने भाजपा की भी सलाह दे डाली है कि मोदी–इंज्म की अगली मंजिल केवल मोदी के नाम पर आगे बढ़ना नहीं, बल्कि ऐसी संस्था–केंद्रित व्यवस्था खड़ी करना होनी चाहिए, जो किसी एक नेता से परे जाकर देश की राजनीतिक और प्रशासनिक ताकत को स्थायी आधार दे सके।अपने आलेख में

क्या कैप्टन ने सरकार के कप्तान पर ही सवाल

भविष्य के बहाव मार्गों का पूर्वानुमान तैयार किया गया है। यह तकनीक नदी के अतीत और वर्तमान व्यवहार से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण कर भविष्य में संभावित परिवर्तन को समचने में मदद करती है। इससे उन क्षेत्रों की पहचान करना आसान होगा, जहाँ भविष्य में बाढ़ या नदी के बहाव में बदलाव का जोखिम अधिक हो सकता है। परियोजना का वित्तपोषण अंतरिक्ष उपयोग केंद्र, अहमदाबाद द्वारा किया जा रहा है। परियोजना की प्रगति और प्राप्त निकों का संबंधित विशेषज्ञों के समक्ष विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया है तथा इसके आधार पर तकनीकी प्रतिवेदन भी तैयार किया गया है।

बुंदेलखंड में वैज्ञानिक मानचित्रण से विकास की नई संभावनाएं घाघरा नदी अध्ययन के समान ही बुंदेलखंड क्षेत्र में भी आधुनिक भू–स्थानिक तकनीकों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों और भू–वैज्ञानिक संरचनाओं का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। बुंदेलखंड लंबे समय से जल संकट, भूजल की उपलब्धता और प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग जैसी चुनौतियों से जुड़ा क्षेत्र रहा है। ऐसे में यहां विकास योजनाओं को वैज्ञानिक आंकड़ों पर आधारित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आंसी, ललितपुर, बांदा, हमीपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों में नक्शे पर 1रू25000 के पैमाने पर जियोमॉर्फॉलॉजी एवं लिनियामेंट मैपिंग का कार्य कराया जा रहा है। इस परियोजना में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), उत्तरी क्षेत्र, लखनऊ का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले लिस्स–4 (रै–एट) उपग्रह डेटा के माध्यम से भूमि की संरचना, जल निकासी तंत्र, भू–आकृतियों तथा भूगर्भीय विशेषताओं का सूक्ष्म स्तर पर अध्ययन किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत ललितपुर, आंसी, हमीपुर, फतेहपुर और जालौन जनपदों की विस्तृत जियोमॉर्फॉलॉजिकल एवं लिनियामेंट मैपिंग पूरी की जा चुकी है, जबकि बांदा में कार्य

स्वतंत्रता पश्चात् हम एक बूँद की स्याही लेंगे और यह लिख देंगे — “इस देश में गौहत्या वैसा ही दंड होगा जैसा मानव हत्या के लिए होता है”। स्वच्छता, हिंदी राष्ट्रभाषा, ग्रामसभी भारत आदि हेतु भी गांधी जी प्रतिबद्ध थे। कांग्रेस ने सात दशकों की सत्ता में इन विषयों को त्याज्य रखा। ‘भारत में रामराज स्थापना’ को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया था किंतु ‘नेहरु–गांधी कांग्रेस’ मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए श्रीराम को ही कल्पना सिद्ध करने के प्रयास लग गई। कांग्रेस स्वयं को सेकुलर सिद्ध करने के अनथक प्रयास करने लगी थी और ‘रामेश्वरम् रामसेतु’ के किंवदंस, विनाश, भंजन, खंडन हेतु मशीनें समुद्रतट पर भेज चुकी थी। ‘मुस्लिम तुष्टिकरण’ हेतु कांग्रेस ने न जाने कितने ही कांड इस देश में किया और सतत–निरंतर किए हैं। आश्चर्य और दुस्साहस का विषय यह है कि ‘मुस्लिम तुष्टिकरण’ के लिए देश भर से लताड़े जाने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व इस बात को समझ ही नहीं रहा है। हाँ, कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता इस बात कोई समझ भी रहा है और वह

उठा दिये हैं

करते हुए उन्होंने माना कि मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्ि ा सरकार की पहुंच और डिलीवरी क्षमता का विस्तार रही है।लेकिन कैप्टन का असली संदेश इससे आगे जाता है। उनका तर्क है कि किसी भी लोकतंत्र की सफलता को केवल एक शक्तिशाली नेता की उपलब्धियों से नहीं मापा जा सकता। मजबूत सरकार और मजबूत नेता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन लोकतंत्र की असली मजबूती मजबूत संस्थाओं, जवाबदेही और संवैधानिक संतुलन से आती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी–इंज्म की अगली यात्रा आखिर किस दिशा में होगी? क्या वह एक व्यक्ति के नेतृत्व के इर्द–गिर्द सीमित रहेंगा।

आज का राशिफल

मेष राशि—

मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपको नई जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य के लिये फायदेमंद साबित होगी।

वृष राशि—

वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा, लोगों का व्यवहार आपके प्रति अच्छा रहेगा।

मिथुन राशि—

मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी।

कर्क राशि—

कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। कुछ लोग रुकावटें भी पैदा करेंगे। अफवाहों पर ध्यान न देकर अपने कामों पर फोकस करें।

सिंह राशि—

सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा।

कन्या राशि—

कन्या राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे।

तुला राशि—

तुला राशि वालों आज आपका खुशहाल रहेगा। काम को पूरा करने में आ रही अड़चन आज समाप्त होंगी।

वृश्चिक राशि—

वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन अच्छा गुजरने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट किसी टॉपिक में उलझ सकते हैं, बेहतरी के लिए आप किसी से हेल्प ले सकते हैं।

धनु राशि—

धनु राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कोई भी निर्णय लेने से पहले उसपर गहन विचार कर लेना चाहिए।

मकर राशि—

मकर राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। आज आप कोई नया हुनर सीखेंगे। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी।

कुम्भ राशि

आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। लम्बे समय से सोचा हुआ काम आज पूरा हो जाएगाजिज्जसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा।

मीन राशि—

मीन राशि वालों आज आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा। इस राशि के बिजली विभाग के कर्मचारियों का आज दिन अच्छा रहेगा। जाँब की तलाश कर लोगों को अच्छी जाँब मिलने के योग्य हैं। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं। काम में मन लगेगा आपको परिवार से सहयोग और सफलता मिलती रहेगी। इस राशि की महिलाओं का बिजनेस आज काफी तरक्की करेगा, अधिक लाभ होगा।

आज जनता दर्शन में आई छात्रा की पढ़ाई हेतु गांव से आजमगढ़ मुख्यालय आने-जाने हेतु डीएम ने बनवाया निःशुल्क एमएसटी पास

आजमगढ़, (आर एन एस) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वोदय एवं अन्त्योदय की कार्यभावना को जनपद आजमगढ़ में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के कुशल निर्देशन में प्रभावी रूप से साकार किया जा रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार द्वारा प्रत्येक कार्यदिनस पूर्वाह्न 10 से 12 बजे तक जनता दर्शन में जनसामान्य की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना जाता है तथा पात्र व्यक्तियों की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाता है।इसी क्रम में आज 20 अगस्त गुरुवार को जनता दर्शन में तहसील बूढ़नपुर के अतौरौलिया क्षेत्र के ग्राम खानपुर फतेह निवासी मेनका प्रजापति पुत्री स्व० अमरजीत प्रजापति ने जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार को प्रार्थना पत्र देकर अपनी आर्थिक स्थिति एवं पढ़ाई से संबंधित समस्या से अवगत कराया। प्रार्थिनी ने बताया कि वह गरीब परिवार से है और आजमगढ़ शहर में एसएससी परीक्षा की तैयारी कर रही है। प्रतिदिन अतौरौलिया स्थित अपने घर से आजमगढ़ शहर आने–जाने के लिए उसे बस का किराया देना पड़ता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण अब उसका परिवार नियमित रूप से बस का किराया वहन करने में असमर्थ है।प्रार्थिनी ने बताया कि यदि आवागमन का खर्च वहन नहीं हो पाया तो उसकी पढ़ाई

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा बैठक संपन्न

आजमगढ़,(आर एन एस)जिलाधिाकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर प्राप्त विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।विद्यालयों में विद्युत संयोजन की पेंडेंसी, विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन विद्युत तारों को हटाने में लापरवाही, आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में उदासीनता तथा बिना पूर्व सूचना बैठक में अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने एक्सईएन

हाइडिल विद्युत पर कार्यवाही किए जाने हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस शासन की प्राथमिकता वाला पोर्टल है। अधिकारी स्वयं प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए निर्धारित समय–सीमा में शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी प्रकरण डिफॉल्टर श्रेणी में नहीं जाना चाहिए।समीक्षा के दौरान तहसीलदार

लालगंज एवं उप कृषि निदेशक द्वारा प्राप्त शिकायतों के संबंध में पर्याप्त संख्या में शिकायतकर्ताओं से संपर्क न किए जाने पर जिलाधिाकारी ने दोनों अधिकारियों से स्पटीकरण लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया जाए। जिन ग्रामों से सर्वाधिक शिकायतें अथवा असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हो रहे हैं, वहां संबंधित अधिकारी स्वयं पहुंचकर शिकायतकर्ताओं से संवाद स्थापित करें और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें। किसी भी स्थिति में आईजीआरएस पोर्टल

पर असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त न होने पाए।जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय करते हुए कठोर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में मुख्य विकास अधिाकारी राकेश कुमार पटेल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ सिंह, अपर जिलाधिकारी (विद्यत्), गम्भीर सिंह, जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा, डीसी एनआरएलएम डॉ. आराधना त्रिपाठी, परियोजना निदेशक सचि्वदानंद सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिाकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर माह जुलाई–2026 के राजस्व एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्वांचल विकास निधि, त्वरित आर्थिक विकास योजना तथा 50 लाख रुपये एवं उससे अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं परियोजनाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए।समीक्षा के दौरान खण्ड विकास अधिकारी पवई, मुहम्मदपुर, ठेकमा तथा अधिशासी अधिकारी बूढ़नपुर एवं मार्टीनगंज की फैमिली आईडी निर्माण में प्रगति खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि फैमिली आईडी निर्माण में तत्काल तेजी लाते हुए रैंकिंग एवं ग्रेडिंग में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि क्षेत्र में

शत–प्रतिशत पात्र परिवारों का फैमिली आईडी पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाए तथा प्रतिदिन प्रगति की प्रभावी मॉिटरिंग की जाए।जीरो पॉवर्टी अभियान की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर जिलाधिकारी को जिला विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा, डीसी एनआरएलएम डॉ. आराधना त्रिपाठी, परियोजना निदेशक सचि्वदानंद सहित समस्त जनपद स्तरीय अधिाकारी उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं को शासकीय योजनाओं, बाल अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

आजमगढ़, (आर एन एस)जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशानुसार हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमन की टीम द्वारा नवीन सरस्वती इंटर कॉलेज, बाज बहादुर, आजमगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में जिला मिशन कोऑर्डिनेटर श्रीमती प्रीति उपाध्याय ने छात्र–छात्राओं को भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न महिला एवं बाल हितैषी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बच्चों, बालिकाओं एवं महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने पात्र लाभार्थियों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।इस अवसर पर जेंडर स्पेशलिस्ट आशीष कुमार सिंह ने छात्र–छात्राओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, चाइल्ड हेल्पलाइन–1098 सहित विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं एवं हेल्पलाइन सेवाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को किसी भी प्रकार की कठिनाई, हिंसा, शोषण अथवा असुरक्षा की स्थिति में चुप न रहने तथा समय से उचित सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान छात्र–छात्राओं को बाल अधिकार, बाल सुरक्षा, लैंगिक समानता, महिला सशक्तिकरण तथा उपलब्ध सरकारी सहायता तंत्र के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि जागरूकता ही सुरक्षित, संवेदनशील एवं सशक्त समाज की मजबूत आ्धारशिला है।कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं किशोर–किशोरियों तक शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं एवं सुरक्षा संबंधी सेवाओं की जानकारी पहुंचाकर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक एवं सशक्त बनाना रहा।

डीएम ने लंबित वादों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश -ग्राम समाज की भूमि से संबंधित मामलों की नियमित समीक्षा के निर्देश

उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आख्या केवल औपचारिक न हो, बल्कि संस्तुति सहित संबंधित अभिलेखों के साथ प्रस्तुत की जाए, जिससे प्रकरणों की प्रभावी समीक्षा एवं आगे की कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। मुख्य राजस्व अधिकारी को इन प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। सीएम डैशबोर्ड पर राजस्व कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने भू–आवंटन, पट्टा, संशोधन एवं नाम संशोधन से संबंधित लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

धारा–33, धारा–34 एवं धारा–166

दीवार में संघ लगाकर नौ हजार नकदी, जेवरात व बर्तन ले गये चोर

सोहावल–अयोध्या।रौनही थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे दुनिया सिंह (ठेउंगं) में अज्ञात चोरों ने एक मकान में संघ लगाकर सोने–चांदी के आभूषण, नकदी व अन्य सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना 19 व 20 अगस्त की मध्य रात्रि की बतायी जा रही है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। ग्राम पूरे दुनिया सिंह निवासी अमित कुमार शर्मा पुत्र स्व० जग नरायन शर्मा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि 19–20 अगस्त की रात करीब 12 बजे से 4 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनके मकान की पक्की ईंट की दीवार में संघ लगा दी।

ारित समयसीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा कार्यों की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं हो ना चाहिए।50 लाख रुपये एवं उससे अधिक लागत की लंबित पांच परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर तत्काल दूर किया जाए और प्रत्येक परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि कार्य निर्धारित समय में पूर्ण हो सकें। 50 करोड़ रुपये एवं उससे अधिाक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा में जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप ही कराए जाएं। गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय की जाएगी। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि परियोजनाओं की नियमित गुणवत्ता जांच एवं स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं के संबंध में संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र हस्तांतरण की कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

घर के अंदर खून से लयपय मिला महिला का शव, जांच में जुटी पुलिस

आजमगढ़ (आरएनएस)बरदह कस्बे में गुरुवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब 40 वर्षीय महिला अकबरी बानो पत्नी मो. ताहिर का शव घर के अंदर फर्श पर खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की जानकारी उस समय हुई, जब महिला के बच्चे स्कूल से घर लौटे। मां को जमीन पर खून से लथपथ पड़ा देख बच्चों ने शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।सूचना पर डायल 112 पुलिस के साथ स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी मधुवन सिंह, सीओ लालगंज भूपेश पांडेय और थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए और जांच की।पुलिस ने गांव और आसपास के लोगों सहित दर्जनों लोगों से पूछताछ कर महिला के परिवार और घटना से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है।बताया गया कि मृतका का पति मो. ताहिर तथा बड़ा पुत्र मो. समीर मुंबई में लूम का काम करते हैं। घर पर मृतका के दो पुत्र मो. अमीर (16) और मो. असद (8) रहते हैं। महिला की मौत की खबर से परिजनों और आसपास के लोगों में शोक और सनसनी का माहौल है।

पुलिस की दो मुठभेड़, अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

आजमगढ़,(आर एन एस)अहरोला और तहबरपुर थाना पुलिस ने गुरुवार तड़के अलग–अलग मुठभेड़ों में अंतर्जनपदीय चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में चारों आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन तमंचे, कारतूस, चोरी के सोने–चांदी के आभूषण, 29,230 रुपये नकद, बिना नंबर की गन्ट–500, पांच मोबाइल फोन और चोरी में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं।पुलिस के मुताबिक, अहरोला क्षेत्र में 14ध15 अगस्त की रात पूराचित्तू (भयरपुर) में दो घरों में चोरी की घटनाएं हुई थीं। वहीं तहबरपुर क्षेत्र के ओहनी रामेश्वरपुर और रमनीपुर में भी जुलाई में घरों में घुसकर जेवरात और नकदी चोरी की गई थी। इन मामलों में मुकदमे दर्ज कर पुलिस लगातार आरोपियों की तलाश कर रही थी। गुरुवार सुबह करीब 3रू६4 बजे अहरोला पुलिस ने पश्चिमपट्टी महलिया के पास चेकिंग के दौरान तबरपुर की ओर जा रही सफेद गन्ट–500 को रोकने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, वाहन सवार बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दिलकस और साहिल के दाहिने पैर में गोली लगी। दोनों को गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया।

सात चोरी की घटनाओं का खुलासा

पुलिस का दावा है कि पूछताछ और बरामदगी के आधार पर अहरोला की दो, तहबरपुर की दो, बिलरियागंज की दो और अबेकरनगर के जैतपुर थाना क्षेत्र की एक चोरी का खुलासा हुआ है। आरोपियों ने पूछताछ में आजमगढ़ के अलावा गुाीपुर, बलिया और जौनपुर समेत अन्य जिलों में भी चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है।पुलिस के मुताबिक गिरोह हाईवे के आसपास वाहन खड़ा कर नजदीकी गांवों को निशाना बनाता था। गिरोह के सदस्य घरों की छत के रास्ते अंदर प्रवेश कर ताले तोड़ते और सोने–चांदी के जेवरात तथा नकदी चोरी करते थे। चोरी के बाद तब स्थान पर पहुंचते थे, जहां ्टन्ट कारलेक उन्हें लेकर फरार हो जाता था।यह सामान हुआ बरामद अहरोला पुलिस ने दो .315 बोर के तमंचे, दो खोखा व दो जिंदा कारतूस, बिना नंबर की XUV–500, चार पेचकस, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, कटर, पांच मोबाइल फोन, चोरी के सोने–चांदी के जेवरात और 29,230 रुपये नकद बरामद किए हैं।

सखी कैफे का आगाज, महिलाओं के हुनर को मिलेगा बाजार

अयोध्या। महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल के तहत गुरुवार को विकास भवन में ‘सखी कैफे’ का शुभारंभ किया गया। यह कैंटीन ग्रामीण महिलाओं के हुनर को बाजार उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का नया मंच बनेगी। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट अयोध्या (आईएएस) आदित्य अग्रवाल व जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश यादव एवं उपयुक्त स्तवरुजगार सरिता गुप्ता ने मां लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के सहयोग से संचालित इस कैंटीन का उद्घाटन किया। समूह में 14 महिलाएं सक्रिय हैं। इन्हें सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) के रूप में एक लाख पंद्रह हजार रुपये की राशि उपलब्ध कराई गई है। ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी ये महिलाएं अब चाय, नमकीन, समोसे और आलू टिक्की जैसे स्वादिष्ट व स्वच्छ व्यंजन तैयार कर ग्राहकों को परोसेंगी। प्रेरणा कैंटीन स्वाद के साथ स्वच्छता और संस्कार का अनूठा संगम पेश करेगी। यहां महिलाओं द्वारा तैयार किए गए साफ–सुथरे और पौष्टिक नाश्ते उपलब्ध होंगे, जिससे न केवल स्थानीय लोगों को अच्छा खाना मिलेगा बल्कि महिलाओं को नियमित रोजगार और आय का स्थायी स्रोत भी उपलब्ध होगा। कंचन सिंह और सरिता शर्मा सहित समूह की अन्य सदस्यें इस कैंटीन को सफलतापूर्वक चलाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।कंचन ने बताया कि यह पहल महिलाओं को घर की चारदीवारी से बाहर निकालकर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। योगी सरकार की इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और बाजार से जुड़ने का सुनहरा अवसर मिल रहा है। प्रेरणा कैंटीन अब आत्मनिर्भरता की पहचान बनने जा रही है। सरिता शर्मा ने बताया कि महिला सशक्तिकरण को नई ऊंचाई देने वाली यह पहल अयोध्या जिले में अन्य समूहों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। सरकार की मंशा है कि आने वाले समय में जिले के विभिन्न स्थानों पर ऐसी और कैंटीनें खोली जाएं, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकें। प्रेरणा कैंटीन के माध्यम से महिलाओं के हुनर को बाजार मिला है और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई सुबह शुरू हुई है। जिला मिशन प्रबंधक सरिता वर्मा ने बताया कि ऐसी कैंटीनें न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करेगी बल्कि स्थानीय स्तर पर स्वच्छ और किफायती भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेगी। विकास भवन परिसर में शुरू हुई इस कैंटीन से आसपास के कार्यालय कर्मचारी, आगतुक और आम नागरिक लाभान्वित होंगे।

कचहरी के लाकअप से पुलिस को चकमा देकर कैदी फरार

अयोध्या। कचहरी परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। गुरुवार को कचहरी परिसर में बने लॉकअप से पेशी के लिए लाया गया एक कैदी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना के बाद कचहरी परिसर में अफरा–तफरी मच गई। पुलिस ने फरार कैदी की तलाश में कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश शुरू कर दी है। फरार कैदी की पहचान दीपक कुमार उर्फ दीपू के रूप में हुई है। वह कैंट थाना क्षेत्र में दर्ज एक मामले का आरोपी है और दर्शननगर क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, उसे एसीजेएम प्रथम की अदालत में पेशी के लिए कचहरी लाया गया था। बताया जा रहा है कि पेशी के दौरान वह कोर्ट परिसर में कटघरे के पीछे से पुलिस को चकमा देकर निकल गया। कुछ देर बाद कैदी के फरार होने की जानकारी होने पर पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। कचहरी परिसर के आसपास तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया गया। एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। कचहरी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके साथ ही अन्य स्रोतों से भी फरार कैदी के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने बताया कि सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमें गठित की गई हैं, जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। कैदी के फरार होने के संबंध में अलग से अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि अयोध्या में कैदियों के फरार होने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी जिला कारागार से दो कैदी फरार हो चुके हैं, जो अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर बताए जा रहे हैं। ऐसे में कचहरी परिसर जैसे संवेदनशील स्थान से कैदी के फरार होने की घटना ने पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दस हजार की रिवत के आरोप में लेखपाल गिरफ्तार

सोहावल–तहसील। क्षेत्र में एंटी कर्र्खान टीम ने रिव्त लेने के आरोप में एक लेखपाल को गिरफ्तार किया। कुछ देर के लिए तहसील के लेखपालों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार एंटी कर्र्खान टीम के प्रभारी हरिओम मिश्रा ने आरोपी लेखपाल उत्कर्ष दीप को हिरासत में लिया। आरोप है कि अमित कुमार दुबे पुत्र देव करण दुबे निवासी पारा कैल एक पैमाइश के मामले में उसने 10 हजार रुपये की रिव्त की मांग की थी। शिकायत के आधार पर एंटी कर्र्खान टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी लेखपाल को गिरफ्तार कर लिया। लेखपाल के पकड़े जाने की जानकारी होने पर उसके साथी लेखपाल पूरा कलंदर थाने पहुंच गये। मामले की जानकारी मिलने पर उप जिलाधिकारी सोहावल गजेंद्र सिंह ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच के निदेश दिए हैं।

प्रभावित होने के साथ ही आगे की शिक्षा अधूरी रह जाने का संकट उत्पन्न हो जाएगा। उसने जिलाधिकारी से मानवीय आधार पर प्रतिदिन आजमगढ़ आने–जाने के लिए निःशुल्क एमएसटी पास उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने छात्रा की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना तथा उसकी पढ़ाई–लिखाई, पारिवारिक पृष्ठभूमि और आर्थिक स्थिति के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी भी विद्यार्थी की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्रा की शिक्षा को निरंतर जारी रखने के उद्देश्य से एआरएम रोडवेज अजय सिंह को तत्काल आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।जिलाधिाकारी के निर्देश का तत्काल अनुपालन करते हुए एआरएम अजय सिंह ने छात्रा के लिए निःशुल्क एमएसटी पास तत्काल बनवाकर उपलब्ध कराया। इससे छात्रा को प्रतिदिन

अतौरौलिया से आजमगढ़ शहर आने–जाने में होने वाले आर्थिक बोझ से राहत मिली और उसकी पढ़ाई जारी रखने का रास्ता सुगम हुआ।इतना ही नहीं, एआरएम अजय सिंह ने मानवीय संवेदना एवं सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए छात्रा को गोद लेते हुए उसकी आगे की शिक्षा–दीक्षा का खर्च स्वयं वहन करने की जिम्मेदारी भी ली। उनकी इस पहल से छात्रा एवं उसके परिवार को बड़ी राहत मिली है। एआरएम की इस संवेदनशील पहल की जिलाधिाकारी सहित उपस्थित अधिकारियों ने सराहना की।जिलाधिकारी ने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों की शिक्षा को आगे बढ़ाने में समाज की सहभागिता महत्वपूर्ण है। ऐसे प्रयास न केवल किसी विद्यार्थी को आर्थिक कठिनाइयों से उबारते हैं, बल्कि उसके भविष्य को तत्काल आवश्यक कार्यवाही निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित न रहे, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति को वास्तविक राहत मिले।

निःशुल्क एमएसटी पास मिलने और आगे की शिक्षा–दीक्षा के

डायट प्राचार्य ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय का किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान शिवरामपुर के प्राचार्य बीके शर्मा ने गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय चकौध का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्यालय में पठन पाठन की स्थिति संतोषजनक पाई गई। इसके अतिरिक्त, शिक्षकों और छात्राओं की उपस्थिति भी ठीक रही। मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जाँच की गई। जिससे मीनू के अनुसार स्वादिष्ट और स्वच्छतापूर्ण पाया गया। हालाँकि निरीक्षण के दौरान विद्यालय में कुछ गंभीर कमियां भी उजागर हुईं। प्राचार्य ने पाया कि विद्यालय में निपुण तालिका और शिक्षक डायरी उपलब्ध नहीं थी जो कि शैक्षणिक गुणवत्ता के लिए अनिवार्य हैं। इसके अलावा विद्यालय भवन की संरचनात्मक और सुख्खा संबंधी बड़ी समस्या सामने आई। विद्यालय के तृतीय तल पर पानी की

विकास भवन में कृषि यंत्रों के लिए हुई ई-लाटरी प्रक्रिया

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देश के अनुपालन में सीडीओ डीपी पाल की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन सभागार में सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इनसीटू मैनेजमेन्ट ऑफ कॉप रेजिड्यू योजनातर्गत जनपद के षकों द्वारा ऑनलाईन बुकिंग करने के उपरान्त ई–लाटरी करायी गयी। जिसमें कस्टम हायरिंग सेन्टर, फार्म मशीनरी बैंक, रोटावेटर, कंटेनेट्रेटर, रीपर कम्बाइण्डर, मल्टीक्राप श्रेसर इत्यादि िष यंत्रों में कुल 53 षकों का चयन हुआ। ई–लाटरी समापन उपरान्त उप कृषि निदेशक जीतलाल गुप्ता ने चयन समिति एवं किसानों के प्रति आभार जताया।

प्रेमी की हत्या में दम्पति को उम्रकैद, अर्थदंड से भी किया दंडित

चित्रकूट। घर बुलाकर प्रेमी की हत्या के मामले में आरोपी पति–पत्नी को जिला एवं सत्र न्यायाधिश ननने दोष सिद्ध होने पपर आजीवन कारावास व 16 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। जिला शासकीय अधिवक्ता श्याम सुन्दर मिश्रा ने बताया कि चार सितम्बर 2019 को वादि्या रामदुलारी पत्नी स्व रामचरन सैनी निवासी लखमी थोक थाना बिसण्डा जनपद बांदा ने कोतवाली कर्मी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका पुत्र धीरज सैनी उर्फ चुन्चू को हत्या करने के इरादे से अपहरण कर लिया गया। पुलिस ने उदल शर्मा पुत्र गया प्रसाद शर्मा व रीता देवी उर्फ ननकई पत्नी उदल शर्मा निवासीगण ग्राम कटरागूदर चौकी सीतापुर के विरुद्ध मुकदमा पंजीत किया। विवेचना के दौरान देवागंना घाटी से पुलिस ने एक शव बरामद किया। जिसकी पहचान परिवजनों ने धीरज सैनी के रूप में की थी। विवेकध ने विवेचना व साक्ष्य संकलन से मामले का खुलासा करते हुए दम्पति को गिरतार किया। आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। सत्र परीक्षण के दौरान बचाव एवं अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद दोष सिद्ध होने पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषमणि शुक्ला ने फैसला सुनाते हुए अभियुक्त दम्पति उदल शर्मा व रीता देवी को आजीवन कारावास व 8–8 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

निःशुल्क नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में दो सैकड़ लोग हुए लाभान्वित

चित्रकूट। राजपूत शिक्षा मंदिर पूर्व माध्यमिक विद्यालय शोभा सिंह का पुरवा शास्त्री नगर में गुरुवार को विकास पथ सेवा संस्थान एवं सेवा भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 200 लोग लाभान्वित हुए। शिविर के आयोजन में हंस फाउंडेशन, सदगुरु नेत्र चिकित्सालय एवं संयुक्त जिला चिकित्सालय तथा डाबर इंडिया लिमिटेड की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर एसडीएम अजय कुमार यादव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता एवं पीएम श्री विद्यालय कछारपुरवा की प्रधानाध्यापिका रचना यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहैं। कार्यक्रम के संयोजक सभासद शंकर प्रसाद यादव रहे। शिविर में शोभा सिंह का पुरवा सहित आसपास की बस्तियों से करीब 200 की संख्या में गरीब, जरूरतमंद एवं बुजुर्ग लोग पहुंचे। जिन्होंने नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण कराया। चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श व निःशुल्क दवाएं दीं तथा जरूरत के अनुसार आगे के उपचार के लिए मार्गदर्शन किया। नेत्र विशेषज्ञ उमाशंकर शुक्ल के अनुसार करीब 125 लोगों ने नेत्र परीक्षण कराया। इसमें 45 लोगों को निशुल्क चश्मा वितरित किए गए और आई ड्रॉप दिया गया। विद्यालय के प्रबंधक जागेश्वर प्रसाद राजपूत ने कैप के आयोजन की सराहना की।

शिवाजीनगर छठ घाट पर लागत का ब्यौरा गायब, असमंजस में डूबी जनता

कुशीनगर, (आरएनएस)। विकास का मुख्य आधार जनहित, जवाबदेही और पूरी तरह से पारदर्शिता को माना जाता है। जिले कुशीनगर में इन बुनियादी सिद्धांतों की कितनी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, इसकी बानगी नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर 19 स्थित शिवाजीनगर में साफ देखी जा सकती हैं। यहां छठ घाट के सौंदर्यीकरण और इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जिम्मेदारों की नीयत पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा और चौकाने वाला पहलू यह है कि इस पूरी परियोजना में लागत का ब्यौरा पूरी तरह से गायब है, जिससे स्थानीय जनता के बीच असमंजस और विकास को लेकर कयासों का माहौल है।

सरकारी नियमों के मुताबिक किसी भी सार्वजनिक निर्माण कार्य के क्रियान्वयन में सबसे पहली अनिवार्यता श्पारदर्शिताश की होती है। शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि हर निर्माण स्थल पर एक सूचना पट लगाया जाए, जिस पर योजना का पूरा नाम, स्वीकृ त लागत, कार्य की लंबाई–चौड़ाई, कार्यदायी संस्था तथा कार्य प्रारंभ और समाप्ति की तिथि साफ–साफ दर्ज हो। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि आम नागरिक एक सजग प्रहरी की भूमिका निभा सके और निर्माण की गुणवत्ता पर नजर रख सके। लेकिन

टंकी तक पहुँचने के लिए कोई सीढ़ी नहीं है। साथ ही क्षेत्र में बंदरों का भारी प्रकोप होने के कारण टंकी का पाइप टूट गया है। जिससे जल आपूर्ति बाधित हो सकती है और छात्राओं को असुविधा हो सकती है। प्राचार्य ने विद्यालय प्रशासन को निर्देशित किया है कि सभी समस्याएं दुरुस्त की जाए। प्राचार्य ने डीएलएड की कक्षाओं में प्रशिक्षुओं की घटती उपस्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए इसे शैक्षणिक अनुशासन के विरुद्ध बताया। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शासन के मंशानुसार और परीक्षा नियामक प्राधिकारी

के दिशा निर्देशों के तहत प्रशिक्षण के दौरान कक्षाओं में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति होना अनिवार्य है। यह देखा जा रहा है कि कई प्रशिक्षु नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो रहे हैं जो कि उनके भविष्य और शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता के लिए उचित नहीं है। डायट प्राचार्य ने चेतावनी देते हुए कहा है कि जिन प्रशिक्षुओं की उपस्थिति निध्ारित 75 प्रतिशत से कम पाई जाएगी उन्हें आगामी सेमेस्टर, वार्षिक परीक्षाओं के परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित कर दिया जाएगा। साथ ही ऐसे अनुपस्थित या कम उपस्थिति वाले प्रशिक्षुओं को शासन स्तर से मिलने वाली छात्रवृत्ति का लाभ भी प्राप्त नहीं हो सकेगा।

सड़क सुरक्षा के लिए और अधिक प्रभावी कार्रवाई की जरूरत : डीएम —सड़क सुरक्षा समिति की हुई बैठक

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की उपस्थिति में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। डीएम व एसपी के अथक प्रयासों से सड़क दुर्घटनाएं, मृतकों एवं घायलों में निरंतर कमी हुई है। बैठक में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, दुर्घटनाओं में मृतकों एवं घायलों की संख्या में कमी लाने तथा सड़क सुरक्षा के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू किए जाने की विस्तृत समीक्षा की गई। डीएम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी उत्साहजनक है, लेकिन सड़क सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतरता बनाए रखते हुए और अधिक प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि जनपद में सर्वाधिक सड़क हादसे एनएच–35 पर हो रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर आवश्यक सुरक्षा उपाय तत्काल सुनिश्चित कराए जाएं। बैठक में संबंधित अधिकारी के अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि समिति की बैठकों में अनुपस्थित रहने वाले संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध मुख्यालय स्तर पर पत्राचार कराया जाए। यात्री एवं मालकर अधिकारी को निर्देशित किया कि ऐसे वाहनों के चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जिनके कारण सड़क दुर्घटना में किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है। यदि दुर्घटना में शामिल वाहन दूसरे जनपद का हो तो संबंधित जनपद के परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए। शराब के नशे में वाहन चलाने तथा दुर्घटना कर किसी व्यक्ति को घायल करने वाले चालकों के लाइसेंस निस्सीकरण एवं नियमानुसार ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई भी सुनिश्चित करने के निदेश दिए। बैठक में उपस्थित विद्यालय संचालकों को निर्देशित किया कि स्कूल बस चालकों का चरित्र प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से सत्यापित कराया जाए। सभी विद्यालयों में श्रेष्ठ एनालाइजर की व्यवस्था रखते हुए चालकों की नियमित जांच कराई जाए। जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि सड़क सुख्खा मानकों का पालन न करने वाले विद्यालयों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा ऐसे विद्यालयों में परीक्षा केंद्र न बनाए जाय।

किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के साथ मखाना एवं रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने पर दिया जोर- जिलाधिकारी

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में माह अगस्त के ‘किसान दिवस’ का आयोजन किया गया। बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए कृषकों ने कृ षि, गन्ना, सिंचाई, जलभराव, फसल क्षति तथा विभिन्न कृषि योजनाओं से संबंधित समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता एवं समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। बैठक में मखाना उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। बताया गया कि 6 अगस्त को आजमगढ़ में आयोजित प्रशिक्षण में जनपद के 30 कृषकों को मखाना की खेती की जानकारी एवं प्रशिक्षण हेतु भेजा गया था। प्रशिक्षण के दौरान कृषकों को मखाना की खेती की वैज्ञानिक तकनीक, उत्पादन प्रक्रिया, आवश्यक प्रबंधन तथा उत्पादन उपरत कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण से लौटे कृषकों ने मखाना उत्पादन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की उपयोगी जानकारी साझा की तथा मखाना उत्पादन के लिए आवश्यक मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में उपलब्ध

जलभराव वाले क्षेत्रों एवं उपयुक्त भूमि का उपयोग मखाना उत्पादन के लिए किया जा सकता है। इससे किसानों की आय में वृद्धि के साथ–साथ मखाना उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने किसानों को मखाना एवं अन्य आयवर्धक कृषि गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। रेशम उत्पादन के संबंध में बताया गया कि रेशम विभाग द्वारा शहतूत के पौधे किसानों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। शहतूत के पौधों के माध्यम से रेशम कीट पालन कर किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। कृषकों को शहतूत रेशम, एरी एवं मुंगा रेशम सहित रेशम उत्पादन की विभिन्न गतिविधि यों की जानकारी दी गई तथा विभागीय योजनाओं एवं प्रशिक्षण का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। गन्ना क्रय केंद्र बेलवनिया, खड्डा से संबंधित समस्या के संबंध में जिलाधिाकारी ने जिला गन्ना अधिकारी को निर्देशित किया कि किसान की समस्या का तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही गन्ना आयुक्त को भी पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। एक कृषक द्वारा क्षतिग्रस्त गन्ने के सर्वे एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को किसानों का स्थलीय परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने

के निर्देश दिए। जनपद में जलभराव की समस्या को देखते हुए उन्होंने अधिाकारियों को जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के संबंध में भी कृ षकों को जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि सूखा, बाढ़, तूफान, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में योजनाओं के माध्यम से आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। खरीफ फसलों के लिए किसान प्रीमियम की अधिकतम 2 प्रतिशत तथा उद्यानिकी फसलों के लिए 5 प्रतिशत तक निध्ारित प्रीमियम का भुगतान कर योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना में नामांकन के लिए आधार कार्ड, भूमि संबंधी अभिलेख, बैंक पासबुक एवं आवश्यक दस्तावेज तथा सही मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने की जानकारी भी दी गई।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिाकारियों को निर्देशित किया कि किसान दिवस में प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा निस्तारण की आख्या उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने किसानों से अपील की कि मखाना, रेशम तथा अन्य आयवर्धक कृषि गतिविधियों को अपनाने अपनी आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करें। इच्छुक कृषकों को संबंधित विभागों द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

पड़रौना राजदरबार की 1503.57 एकड़ सीलिंग भूमि राज्य सरकार में निहित

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला प्रशासन के अथक प्रयास से पड़रौना राजदरबार की 1503.57 एकड़ सीलिंग भूमि राज्य सरकार में निहित कर दी गई है। जिला प्रशासन ने 44 वर्षों से चले आ रहे कानूनी लड़ाई के बाद उत्तर प्रदेश अधिकतम जोत सीमा आरोपण, सीलिंग अधिनियम के तहत पड़रौना राजदरबार की सीलिंग खातेदार मृतक रानी रेवती देवी पत्नी स्व॰ रवि प्रताप नारायन सिंह निवासी पड़रौना की तहसील पड़रौना, खड्डा, कसया एवं कप्तानगंज में स्थित विशाल भू–संपदा के विरुद्ध सीलिंग कार्यवाही की है।

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन के क्रम में अपर जिलााधिकारी (वि॰ध॰रा॰) कुशीनगर द्वारा इस मामले में प्रभावी पैरवी एवं निरंतर अनुश्रवण के परिणाम स्वरूप पड़रौना राजदरबार की मृतक रानी रेवती देवी के मृतक का अंतिम निस्तारण हो गया है। नियत प्राधिकारी

सीलिंग, अपर जिलाधिकारी न्यायिक कुशीनगर द्वारा दिनांक 14.08.2026 को पारित आदेश के तहत कुल 1503.57 एकड़ अतिरिक्त भूमि राज्य सरकार में निहित कर दी गई है। बताया जाता है कि इस मामले में 44 वर्षों से चले आ रहे कानूनी लड़ाई में उत्तर प्रदेश अधिकतम जोत सीमा आरोपण, सीलिंग अधिनियम के तहत पड़रौना राजदरबार की सीलिंग खातेदार मृतक रानी रेवती देवी पत्नी स्व॰ रवि प्रताप नारायन सिंह निवासी पड़रौना की तहसील पड़रौना, खड्डा, कसया एवं कप्तानगंज में स्थित विशाल भू–संपदा के विरुद्ध सीलिंग कार्यवाही प्रारम्भ की गई थी। नियत प्राधिकारी द्वारा दिनांक 30.11.1978 को पारित आदेश के तहत पुरानी सीलिंग अधिा नियम 1960 के अंतर्गत 359.61 एकड़ तथा संशोधित सीलिंग अधिनियम 1974 के अंतर्गत सिंचित अर्थों में 66.75 एकड़ सामान्य अर्थों में 131.23 एकड़ भूमि अतिरिक्त घोषित की गई थी। उक्त आदेश के विरुद्ध

खातेदार द्वारा तत्कालीन जिला जज देवरिया के समक्ष अपील दाखिल की गई। अपीलीय न्यायालय द्वारा दिनांक 03.02.1982 को आदेश निरस्त करते हुए प्रकरण को पुनः रिमांड कर दिया गया। कार्यवाही प्रारम्भ होने पर सीलिंग खातेदार रानी रेवती देवी एवं अन्य द्वारा उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष याचिका संख्या 905६1983 दाखिल की गई। उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 21.01.1983 को सीलिंग कार्यवाही पर स्थगन आदेश पारित किया गया। उक्त याचिका दिनांक 05.07.2002 को (अभाव में खारिज) कर दी गई। याचिका खारिज होने के साथ ही पूर्व में पारित स्थगन आदेश भी समाप्त हो गया। इसके बावजूद तथाकथित वारिसों द्वारा सैकड़ों एकड़ सरकारी भूमि को अवैध रूप से खुर्द–बुर्द एवं विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा था, जिससे राज्य सरकार को अपूरणीय क्षति की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।

चित्तकूट के समग्र पर्यटन विकास का खाका तैयार

—अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में दिखाया गया प्रजेंटेशन, लिए गए सुझाव चित्रकूट। पर्यटन विभाग एवं श्री चित्रकूटधाम तीर्थ विकास परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में स्वी.त प्रस्तावित परियोजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के उद्देश्य से आर्किटेक्ट के माध्यम से परियोजनाओं का विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। यह प्रस्तुतीकरण जिलाधिकारी की उपस्थिति में जिले के सभी जनप्रतिनिधियों एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों के समक्ष किया गया। प्रेजेंटेशन के दौरान चित्रकूट को पर्यटन की िष्टि से और अधिक विकसित, आकर्षक एवं सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रस्तावित विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। परियोजनाओं के स्वरूप, पर्यटन स्थलों के विकास, पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं, आध्ारभूत संरचनाओं तथा चित्रकूट की धार्मिक एवं पर्यटन संबंधी विशिष्टताओं को ध्यान में रखते हुए विकास कार्यों की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों से प्रस्तावित परियोजनाओं के संबंध में सुझाव एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त किया गया। सभी जनप्रतिनिधि यों ने चित्रकूट के समग्र पर्यटन विकास के लिए आवश्यक सहयोग एवं समर्थन प्रदान करने की भावना व्यक्त की तथा परियोजनाओं को और अधिक उपयोगी एवं जनसरोकार से जुड़ा बनाने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। विकास कार्यों को अंतिम रूप देने के लिए फील्ड विजिट किया गया।

एक्सप्रेस-वे पर पलटा ट्रैक्टर ट्राली, 13 घायल

चित्रकूट। बीती रात बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भरतकूप से लगभग 10 किमी की दूरी पर ट्रैक्टर–ट्राली के पलट जाने से उसमें सवार कई व्यक्ति घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के उपरांत 13 गंभीर घायलों को जिला संयुक्त चिकित्सालय रेफर किया गया। घटना का तत्काल संज्ञान लेते हुए डीएम पुलकित गर्ग एवं एसपी एके सिंह चिकित्सालय पहुंचे। घायलों का हाल जाना तथा उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एवं चिकित्सकों को सभी घायलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उफान पर बरदहा नदी, एक दर्जन गांवों का संपर्क टूटा

चित्रकूट। बीते एक सप्ताह से लगातार हो रही बारिश के चलते पाठा क्षेत्र की बरदहा नदी उफान पर है। नदी के तेज बहाव के कारण करीब एक दर्जन गांवों का संपर्क तहसील व जिला मुख्यालय से टूट गया है। ग्रामीणों को आवागमन में भारी दिक्कतों रहा है। गुरुवार को एडीएम चंद्रशेखर, एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी प्रभावित क्षेत्र बरदहा नदी के चमरौहा घाट पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने नदी के तेज बहाव और प्रभावित गांवों की स्थिति की जानकारी ली। एडीएम ने एडीओ पंचायत के चलते गांवों में फंसे लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने बताया कि प्रभावित ग्रामीणों की मदद के लिए जल्द ही स्टीमर मंगाया जा रहा है। जिससे आवागमन में राहत मिल सके। अधिकारियों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी प्रभावित गांवों में पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर लगाने और ग्रामीणों की जांच करने के निर्देश दिए। वहीं एडीएम ने पुलिस और राजस्व टीम को सतर्क करते हुए कहा कि नदी में तेज बहाव होने के दौरान किसी भी व्यक्ति को नदी पार न करने दिया जाए। ग्रामीणों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

कई बांध भी उफानाए, ग्रामीणों की बड़ी मुश्किल

चित्रकूट। लगातार बारिश के चलते पाठा के आधा दर्जन बांध उफान पर है। पानी के भराव के चलते बांधों में सीपेज हो रहा है। यहां तक डोडा माफी बांध के दोनों गेट खराब होने से टूट कर बह गए। बराह बाध, रामपुर बांध, जडेडा बांध, माराचद्रा बांध उफान पर है।

चित्तकूट में मंदाकिनी उफानाई, रामघाट पर हाईअलर्ट

चित्रकूट। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मंदाकिनी नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। नदी के उफान को देखते हुए जिला प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। प्रशासन ने रामघाट और मंदाकिनी नदी की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है। किसी को भी नदी की तरफ जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। सुरक्षा के महैनजर नदी के किनारे बसे सभी घरों को खाली करा लिया गया है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। रामघाट पर स्थित सभी दुकानों को भी हटा दिया गया है। दुकानदारों को अपना सामान सुरक्षित जगह ले जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने नावों के संचालन पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी है। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर तैनात हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें नियंत्रण कक्ष 24 घंटे सक्रिय कर दिया गया है।

रामघाट डूबा, खतरे से 3.40 मीटर उम्र पहुंची मंदाकिनी

चित्रकूट। अनवरत हो रही मूसलाधार बारिश ने मंदाकिनी को उग्र कर दिया है। गुरुवार सुबह नदी का जलस्तर खतरे के निशान 126.500 मीटर को पार कर 129.900 मीटर तक पहुंच गया। यानी खतरे से 3 मीटर ऊपर बह रहा है। इस साल का अब तक का सबसे ऊंचा जल स्तर है। इससे पहले सोमवार को 127.200 मीटर की स्थिति अब विकराल हो गई है।

रामघाट पर सन्नाटा, दुकानें जलमग्न

चित्रकूट। आस्था का केंद्र रामघाट इस समय पानी में डूबा नजर आ रहा है। प्रशासन ने पहले ही अधिकांश दुकानों को खाली करा दिया था। कई दुकानें अब पूरी तरह जलमग्न हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ वाला घाट वीरान है।

भारत के खिलाफ श्रीलंका ने झोंकी पूरी ताकत

श्रीलंका ने कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में बड़े बदलाव किए हैं। चोटिल खिलाड़ियों जैसे कुसल मंडिस और दिनेश चंडीमल की अनुपस्थिति के कारण कामिल मिशारा और सहन अराच्विगे जैसे घरेलू फॉर्म में चल रहे नए चेहरों को शामिल किया गया है, जिनसे श्रीलंका को सीरीज में वापसी की उम्मीद है।भारत और श्रीलंका मौजूदा सीरीज के दूसरे टेस्ट में आमने–सामने होने के लिए तैयार हैं। दोनों टीमें 23 अगस्त से कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब ग्राउंड पर भिड़ेंगी और दोनों ही टीमें इस मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगी। सीरीज के पहले टेस्ट में हार के बाद, कोलंबो में होने वाले मुकाबले के लिए श्रीलंका को अपनी टीम में अहम बदलाव करने पड़े हैं। गौरतलब है कि दूसरे टेस्ट से

पहले कामिल मिशारा और सहन अराच्विगे को टीम में शामिल किया गया है।ये दोनों खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में शानदार फॉर्म में रहे हैं, जो दूसरे टेस्ट के लिए टीम में उनके शामिल किए जाने की सबसे बड़ी वजह थी। इसके अलावा, श्रीलंका के खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने की वजह से ये दो बदलाव जरूरी थे।ध्यान देने वाली बात यह है कि हैमरिट्टिंग की समस्या के कारण मंडिस टीम से बाहर हैं। पथुम निसंका अभी भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं। इसके अलावा, दिनेश चंडीमल को सिर में चोट (कनकशन) लगने के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया है।लगातार हो रही चोटों के कारण, इस बात की पूरी संभावना है कि मिशारा और अराच्विगे दोनों को प्लेइंग १८ में मौका मिल सकता है, और भारत के खिलाफ खेलते हुए ये दोनों खिलाड़ी अपनी छाप



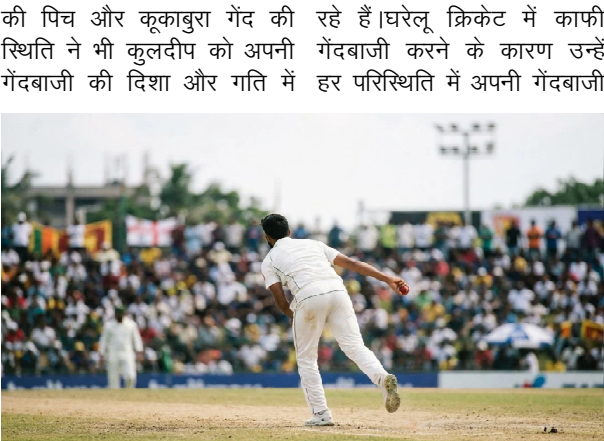
सीरीज का पहला टेस्ट भारतीय टीम ने जीता। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने गाले में 165 रनों से शानदार जीत दर्ज की और मेहमान टीम दूसरे टेस्ट में भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगी।दूसरी ओर, श्रीलंका, जिसे बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था, कोलंबो में होने वाले मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा। यह

भारतीय टीम के खिलाफ वे कैसी रणनीति अपनाते हैं। श्रीलंका की टीमरु धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पासिंदु सुरियाबंदारा, कामिंदु मेंडिस, सहन अराचिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो।

कुलदीप यादव टीम योजना में शामिल हैं, साइराज बहुतुले ने गाल टेस्ट के बाद किया बचाव

भारतीय स्पिन गेंदबाजी कोच साइराज बहुतुले ने शुक्रवार को कोलंबो में कुलदीप यादव का समर्थन करते हुए स्पष्ट किया कि एक मैच के प्रदर्शन से किसी गेंदबाज की काबिलियत तय नहीं होती। उन्होंने बताया कि गॉल में गेंद नरम होने की वजह से कलाई के स्पिनर के लिए टर्न और उछाल हासिल करना कठिन हो गया था। इसके साथ ही बहुतुले ने मैच में 10 विकेट झटकने वाले युवा स्पिनर मानव सुथार की गेंदबाजी की सराहना की। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साइराज बहुतुले ने कुलदीप यादव का बचाव करते हुए शुक्रवार को कहा कि बाएं हाथ का यह कलाई का स्पिनर टीम प्रबंधन की योजनाओं का हिस्सा है और एक मैच में खराब प्रदर्शन से उनकी काबिलियत तय नहीं होती। पहले टेस्ट में कुलदीप को दोनों पारियों में कुल 25 ओवर गेंदबाजी करने के बाद सिर्फ एक विकेट मिला था। दूसरी ओर बाएं हाथ के युवा स्पिनर मानव सुथार और अनुभवी रविंद्र जडेजा ने मिलकर 14 विकेट लिए थे।बहुतुले

ने कहा, “कुलदीप शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। गॉल में परिस्थितियां अलग थीं। उन्हें एक अलग भूमिका निभानी पड़ी।कुलदीप हमेशा से मैच जिताने वाले गेंदबाज रहे हैं और टीम की योजना में शामिल हैं।” बहुतुले ने कहा, “ सभी स्पिनरों को नरम गेंद से परेशानी होती है।लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर या ऑफ स्पिनर उंगलियों से गेंद को नियंत्रित कर लेते हैं, इसलिए उनके लिए यह थोड़ा आसान होता है। वहीं, लेग स्पिनर के लिए नरम गेंद से गेंदबाजी करना ज्यादा मुश्किल होता है, क्योंकि गेंद की सीम दबकर नीचे चली जाती है।” उन्होंने कहा, “ कलाई के स्पिनर के लिए नरम गेंद से गेंदबाजी करना ज्यादा मुश्किल होता है। गेंद की सीम नरम होने के कारण नीचे चली जाती है।ऐसे में गेंद को मनचाही तरह से घुमाना और उछाल हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।” बहुतुले ने कहा, “एक मैच के प्रदर्शन से किसी गेंदबाज का आकलन नहीं किया जा सकता। कुलदीप ने भी परिस्थितियों के मुताबिक अपनी भूमिका में बदलाव करने की पूरी कोशिश की।” गॉल



बदलाव करने के लिए मजबूर किया। गेंद की शुरुआती चमक खत्म होने के बाद वह नरम हो गई थी।इसे भी अच्छे प्दकपं अे तैप रंदां व्ळंससम ज्मेज छ गाले टेस्ट में मानव सुथार का जलवा. ... 10 विकेट चटकाकर भारत को याद दिलाई श्क्लासिकलश स्पिन की असली कलामानव सुथार ने गॉल टेस्ट में 10 विकेट लेकर अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखा। उनकी गेंदबाजी से बहुतुले काफी प्रभावित नजर आए। बहुतुले ने कहा, “सुथार अब टीम के लिए एक भरोसेमंद खिलाड़ी बनते जा

रहे हैं।घरेलू क्रिकेट में काफी गेंदबाजी करने के कारण उन्हें हर परिस्थिति में अपनी गेंदबाजी की अच्छी समझ है।” टीम प्रबंधन उन्हें अलग–अलग परिस्थितियों में गेंदबाजी करने के तरीके समझाने पर काम कर रहा है। इसमें अलग पिच, अलग बल्लेबाज और बाएं हाथ के बल्लेबाज के खिलाफ रणनीति शामिल है। बहुतुले ने कहा, “ सुथार गेंद को अच्छी तरह टर्न कराते हैं और हमारे लिए ब्रेक भंसेइर गेंदबाज हैव्ह लगातार उसी लाइन पर गेंदबाजी करते हैं जिस पर हम चाहते हैं। इसी के साथ उनकी गेंदबाजी में भी लगातार निखार आ रहा है।

शुभमन गिल का खराब रिकार्ड, आंकड़े देते हैं गवाही

श्रीलंकाई स्पिनर प्रभात जयसूर्या के विरुद्ध तकनीकी विफलता के बाद कप्तान शुभमन गिल ने नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ सघन अभ्यास किया। सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में गिल ने अपनी कमजोरियों को दूर करने के लिए रवींद्र जडेजा और मानव सुथार का सामना किया, जबकि कुलदीप यादव और केएल राहुल को आराम दिया गया। शुभमन गिल अभ्यास, भारत बनाम श्रीलंका टेस्ट और टीम इंडिया रणनीति जैसे कीवर्ड्स खोज परिणामों में सहायक होंगे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने अपने निराशाजनक प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को यहां इस तरह के गेंदबाजों के सामने कड़ा अभ्यास किया। गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में गिल बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्य के हाथों दो बार आउट हुए। इस मैच में उन्होंने 16 और आठ रन बनाए। भारत ने यह मैच 165 रन से जीता। दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से यहां शुरू होगा।गिल सही लाइन का अनुमान नहीं लगा पाने के कारण

बाएं हाथ के परंपरागत गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। पहले टेस्ट मैच में भी जयसूर्या को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही थी। टेस्ट क्रिकेट



में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने 11 बार आउट किया है। गिल ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब की नेट पर बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। उन्होंने काफी समय तक मानव सुथार, रविंद्र जडेजा और कुछ स्थानीय गेंदबाजों का सामना किया। भारत के स्पिन गेंदबाजी कोच साइराज बहुतुले ने गिल के नेट सत्र के बारे में जानकारी दी और कहा कि वह कोलंबो की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने की कोशिश कर

रहे थे।बहुतुले ने कहा, “जिस तरह से वह खेलते हैं, रन प्रवाह हमेशा बना रहता है। इसलिए वह पिच की स्थिति, पिच की गति का आकलन कर रहे हैं

और यह अनुमान लगा रहे हैं कि वह किस तरह के शॉट लगा सकते हैं। वह खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल रहे हैं।” उन्होंने कहा, “वह किस तरह से खेलेंगे इसकी रणनीति बनाने में उन्हें ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। वह हर पारी में अपने स्वाभाविक तरीके से खेलते हैं।”गिल का ऑफ–स्पिनरों और लेग–स्पिनरों के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ उनका संयुक्त औसत 61 है, जबकि सभी प्रकार के स्पिन

गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर औसत 48 है। पहले टेस्ट मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव टीम के साथ अभ्यास के लिए पहुंचे थे लेकिन उन्होंने न तो गेंदबाजी की और न ही बल्लेबाजी।दूसरी तरफ ऑफ स्पिनर सारांश जैन ने ऋषभ पंत और शुभमन गिल को कुछ ओवर फेंके। उन्होंने पंत को दो मौकों पर मुश्किल में भी डाला। लेकिन अभी यह कहना मुश्किल है कि दूसरे टेस्ट मैच में कुलदीप की जगह जैन को मिलेगी। बहुतुले ने कहा, “केवल और कुलदीप दोनों आराम कर रहे हैं। हमने पांच दिन का मैच खेला है। हम गॉल की यात्रा करके यहां पहुंचे हैं।इसलिए ऐसा किया गया।” पहले टेस्ट मैच में कुलदीप संघर्ष करते हुए नजर आए। उन्होंने 25 ओवर में 103 रन लुटाए और केवल एक विकेट लिया। यह विकेट भी उन्हें गिल के शानदार कैच के कारण मिला। सलामी बल्लेबाज और उप–कप्तान केएल राहुल नेट प्रैक्टिस से अनुपस्थित थे, जबकि मध्य क्रम के बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने थोड़ी देर के लिए बल्लेबाजी की।

भारत का बांग्लादेश दौरा एक बार फिर स्थगित होने की कगार पर

भारत का बांग्लादेश दौरा एक बार फिर स्थगित होने की कगार पर

भारत का बांग्लादेश दौरा एक बार फिर स्थगित होने की कगार पर है, क्योंकि ठठ और ठब्ब के बीच तारीखों को लेकर बातचीत जारी है और कोई सहमति नहीं बन पाई है। पहले अगस्त 2025 से सितंबर 2026 तक टाली गई यह सीरीज, जिसमें 3 सितंबर से मैच होने थे, अब ठठ अध्यक्ष तमीम इकबाल के अनुसार अनिश्चित है, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों में मायूसी है। यह स्थगन भारत–बांग्लादेश क्रिकेट संबंधों में तनाव और अनिश्चितता को दर्शाता है। क्रिकइन्फो के अनुसार, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तमीम इकब्वाल का कहना है कि भारत का बांग्लादेश दौरा फिर से टाला जा सकता है। ठठ और ठब्ब के बीच अभी बातचीत चल रही है और अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। शुरू में, भारत का बांग्लादेश दौरा अगस्त 2025 में होना था, लेकिन इसे सितंबर 2026 के लिए टाल दिया गया। जनवरी में, ठठ ने कहा था कि भारत ढाका और चट्टोग्राम में तीन और तीन

शुभमन गिल ने में बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ किया नेट अभ्यास

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने शुक्रवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ विशेष तैयारी की। पहले मुकाबले में प्रभात जयसूर्या की गेंदों पर दो बार आउट होने के बाद उन्होंने मानव सुथार और रविंद्र जडेजा का सामना किया। इस अभ्यास सत्र के दौरान कुलदीप यादव और केएल राहुल ने बल्लेबाजी या गेंदबाजी से दूरी बनाए रखी।भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने अपन



के परंपरागत गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते हुए नजर आते हैं। पहले टेस्ट मैच में भी जयसूर्या को खेलने में उन्हें परेशानी हो रही थी। टेस्ट क्रिकेट में 42 मैचों में गिल को बाएं हाथ के स्पिनरों ने 11 बार आउट किया है। गिल ने सिंहली स्पोर्ट्स क्लब के नेट पर बाएं हाथ

हार्दिक पंडश के भविष्य पर अनिश्चितता के बीच पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खिलाड़ियों के व्यापार में पूर्ण प्रकटीकरण

मुंबई इंडियंस में हार्दिक पंड्या के भविष्य पर अनिश्चितता के बीच पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खिलाड़ियों के व्यापार में पूर्ण प्रकटीकरण की मांग की है। उनका मानना ​​है कि गुप्त सोदे आईपीएल की समान अवसर वाली नीति को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए वित्तीय डेटा का पारदर्शी होना अनिवार्य है। यह रुख क्रिकेट प्रशासन और टीम प्रबंधन के बीच वित्तीय संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देता है।आईपीएल के अगले सत्र से पहले हार्दिक पंड्या को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। कई रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि मुंबई इंडियंस उन्हें आईपीएल 2027 से पहले किसी दूसरी टीम को ट्रांसफर करने पर विचार कर रही है। हालांकि, इस बारे में मुंबई इंडियंस या हार्दिक पंड्या की ओर से कोई आधिाकारिक पुष्टि नहीं हुई है।इसी बीच मुंबई इंडियंस ने अपने सामाजिक माध्यम पर हार्दिक पंड्या की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चा रही चर्चाओं के बीच टीम के रुख को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं।

एफडी रूल में बदलाव के बाद भारत को मिले 4896 करोड़ रुपये के 29 निवेश प्रस्ताव

विदेशी कंपनियों में 10 प्रतिशत तक चीनी हिस्सेदारी पर स्वचालित मार्ग से अनुमति मिलने के बाद विभिन्न क्षेत्रों में 4,895.65 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया है। वित्त मंत्रालय द्वारा फेमा नियमों में संशोधन के बाद यह पूंजी अमेरिका, मॉरीशस, जापान और सिंगापुर सहित कई देशों की संस्थाओं से प्राप्त हुई है। यह व्यवस्था आईटी, एआई, डेटा सेंटर, विनिर्माण और दवा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए निवेश प्रक्रिया को सुगम बनाती है।

ने बताया कि दोनों बोर्ड अभी भी भारत सीरीज पर बातचीत कर रहे हैं। तारीखें बदल सकती हैं। अगर



भारत का दौरा कन्फर्म होता है, तो हम उसी हिसाब से बदलाव कर लेंगे। इस साल की शुरुआत में ठठ के भारत दौरे की घोषणा के बाद ठठ और ठब्ब के बीच रिश्ते काफी तनावपूर्ण हो गए थे। हालात तब और बिगड़ गए जब कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर मुस्तफिजुर रहमान को

शुभमन गिल ने में बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ किया नेट अभ्यास

के स्पिनरों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। उन्होंने काफी समय तक मानव सुथार, रविंद्र जडेजा और कुछ स्थानीय गेंदबाजों का



सामना किया। गिल का ऑफ–स्पिनरों और लेग–स्पिनरों के खिलाफ बेहतर रिकॉर्ड है। इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ उनका संयुक्त औसत 61 है, जबकि सभी प्रकार के स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनका करियर औसत 48 है।पहले टेस्ट मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं

हार्दिक पंडश के भविष्य पर अनिश्चितता के बीच पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने खिलाड़ियों के व्यापार में पूर्ण प्रकटीकरण

टीम में जाने की जानकारी सार्वजनिक हो जाती है, लेकिन वास्तविक सौदे में कितनी रकम



शामिल हुई, इसकी जानकारी केवल दोनों टीमों, खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के पास रहती है। उनके मुताबिक यही स्थिति सवाल खड़े कर सकती है कि टीम ने खिलाड़ियों पर तय खर्च सीमा के भीतर रकम खर्च की है या नहीं।गौरतलब है कि आईपीएल में हर टीम के लिए खिलाड़ियों पर खर्च करने की एक तय सीमा होती है। ऐसे में गावस्कर का मानना ​​है कि ट्रांसफर के दौरान सौदे की रकम भी सार्वजनिक की जानी चाहिए। इससे यह साफ रहेगा कि सभी

एफडी रूल में बदलाव के बाद भारत को मिले 4896 करोड़ रुपये के 29 निवेश प्रस्ताव

ने बताया कि ये निवेश सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई), सूचना एवं संचार, विनिर्माण, औषधि 1, डेटा सेंटर और परिवहन सेवाओं समेत कई क्षेत्रों में किए गए हैं। ये 29 निवेश प्रस्ताव मॉरीशस, अमेरिका, कोरिया, जापान, सिंगापुर, लक्जमबर्ग और कैमैन द्वीप समेत विभिन्न देशों में स्थित निवेशकों संस्थाओं से मिले हैं। अधिकारी ने बताया कि मई में अधिसूचित संशोधि त व्यवस्था से ऐसे मामलों में पहले

से सरकारी मंजूरी लेने की जरूरत खत्म हो गई है, जिससे भारत में विदेशी निवेश का प्रवाह सुगम और तेज हुआ है।उन्होंने बताया कि निवेशक इकाई लागू ‘रिपोर्टिंग’ आवश्यकताओं का पालन करते हुए स्वचालित मार्ग से निवेश कर सकती है। इस सुधार से निवेशकों को अडिाक निश्चितता मिलती है, लेनदेन में लगने वाला समय घटता है तथा भारत में कारोबार करने में सुगमता और मजबूत होती है।

4 किरदार, एक अनोखी वाइब और कई सवाल, कुणाल खेमू की फिल्म का नया पोस्टर जारी, आज आएगा टीजर

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने अपनी अपकमिंग फिल्म वाइब का पोस्टर जारी किया है. यह पोस्टर कुणाल खेमू की इस हाई-स्टेक्स एक्शन कॉमेडी की एक और झलक दिखाता है और साथ ही कई सवाल भी खड़े करता है कि आखिर इस अनोखी चौकड़ी के साथ क्या होने वाला है. साथ ही बताया है कि फिल्म वाइब का टीजर किस दिन रिलीज होगा.

नए पोस्टर की बात करें तो इसमें प्रीति जिंटा एक दमदार बॉस-लेडी अवतार में नजर आ रही हैं. वहीं इसके बिल्कुल उलट कुणाल खेमू, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं. इससे इशारा मिल रहा है कि आखिर वे जिस मुसीबत में फंसे हैं, वह पूरी तरह से उनके हाथ से निकल चुकी है.

वाइब की कहानी दो ऐसे जिगरी दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी सीधी-सादी जिंदगी अचानक एक अनजान और

हाई-एनर्जी एडवेंचर में बदल जाती है. यह सफर उनकी जान बचाने की काबिलियत और उनकी दोस्ती, दोनों की कड़ी परीक्षा लेता है.

कुणाल खेमू ने फिल्म को लिखा और डायरेक्ट किया है. वाइब को कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रॉगो फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. फिल्म में कुणाल खेमू के साथ प्रीति जी जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और डेब्यू कर रही वंशिका धीर लीड रोल में हैं. कल यानी 21 अगस्त को टीजर रिलीज होगा और इसके साथ ही फिल्म दर्शकों को एक हाई-एनर्जी एडवेंचर पर ले जाने के लिए तैयार है.अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की फिल्म वाइब 18 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बता दें, ड्रॉगो फिल्म्स एक प्रोडक्शन बैनर है, जिसे एक्टर-डायरेक्टर-राइटर कुणाल खेमू और प्रोड्यूसर चिराग निहलानी ने मिलकर शुरू किया है. यह



बना है. क्रिएटिविटी के साथ-साथ मजबूत और साफ तरीके से काम करने पर फोकस करते हुए ड्रॉगो फिल्म्स ऐसी नई और दिल को छू लेने वाली कहानियों को पर्दे

में अपनी छाप छोड़ें. अब फिल्म वाइब का दर्शकों पर कितना असर पड़ेगा, यह तो 18 सितंबर को ही पता चलेगा.

रिया चक्रवर्ती बोलीं- देश में सबसे ज्यादा ट्रेलिंग मैंने सही है, दुनिया मुझे गद्दार मानती है

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती इन दिनों रियलिटी शो श्द ट्रेटर्स 2थ में नजर आ रही हैं। वर्ष 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया की जिंदगी में बड़ा बदलाव आया था। मामले की जांच के दौरान रिया और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती को स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था। बाद में मामले में रिया के खिलाफ आरोपों को लेकर उन्हें राहत मिली। अब शो के पांचवें एपिसोड में रिया ने बताया कि वह श्गद्दारश्च की भूमिका क्यों नहीं निभाना चाहतीं।

शो में श्वेता तिवारी के सवाल का जवाब देते हुए रिया ने कहा कि वह गद्दार नहीं बनना चाहतीं, क्योंकि दुनिया पहले ही उन्हें गद्दार मान चुकी है। उन्होंने कहा कि यह बात उनके निजी जीवन के अनुभवों से जुड़ी है।

रिया के अनुसार, वह किसी मनोरंजन कार्यक्रम में आकर अपनी इच्छा से किसी की शहत्याच जैसी भूमिका नहीं निभाना चाहतीं, क्योंकि इससे उनके खिलाफ फिर से नकारात्मक प्रतिक्रिया शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोग इस पर भी आपत्तिजनक मजाक और मीम बना सकते हैं।

रिया ने खुद को देश में सबसे ज्यादा निशाना बनाए जाने वाली हस्तियाँ में से एक बताते हुए कहा कि वह फिर से उसी तरह के दौर से नहीं गुजरना चाहतीं।

रिया ने शो के अन्य प्रतिभागियों को भरोसा दिलाने की कोशिश की कि वह गद्दार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही है कि लोगों ने उन्हें गद्दार समझा, लेकिन बाद में उन्हें निर्दोष बताया गया।

उनका यह बयान सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों और उसके बाद हुई जांच की ओर इशारा था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बाद में मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल की थी, जिसके बाद रिया को बड़ी राहत मिली।

शो की शुरुआत में मेजबान करण जोहर ने रिया से पूछा था कि वह कार्यक्रम में बेकसूर की भूमिका निभाना चाहती हैं या गद्दार। इसके जवाब में रिया ने कहा था कि वह बेकसूर बनना चाहती हैं।

रिया ने कहा था कि वर्षों तक उन पर संदेह किया गया, जो उनके लिए बेहद कठिन अनुभव था। उन्होंने कहा कि हाल ही में उन्हें जांच से राहत मिली और लोगों को उनके पक्ष की जानकारी मिली। इसलिए वह दोबारा उस दौर से नहीं गुजरना चाहतीं।

वर्ष 2020 में सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद रिया चक्रवर्ती को जांच और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा था। उन्हें जेल भी जाना पड़ा था



और सार्वजनिक स्तर पर भी उन्हें भारी आलोचना झेलनी पड़ी थी।

बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की जांच में उन्हें राहत मिली। रिया ने अपने पिछले साक्षात्कारों में बताया था कि इस पूरे घटनाक्रम का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी कहा था कि

इस कठिन दौर के कारण उन्हें गंभीर मानसिक दबाव से गुजरना पड़ा।फिलहाल रिया श्द ट्रेटर्स 2थ में प्रतियोगी के तौर पर अपनी भूमिका निभा रही हैं और कार्यक्रम में उनके पुराने जीवन से जुड़े अनुभव लगातार चर्चा का विषय बने हुए हैं।

रेंजर में अजय देवगन का बड़ा एक्शन धमाका, संजय दत्त की गैंग से होगी सीधी भिड़ंत

अजय देवगन अपनी एडवेंचर फिल्म रेंजर के बड़े क्लाइमेक्स सीन के लिए अब खुद कैमरे के पीछे आ रहे हैं। फिल्म के निर्देशक जगन शक्ति ने उनसे एक्शन सीक्वेंस का एक नया वर्जन तैयार करने को कहा है।खबरें हैं कि एक्शन फिल्मों में अजय के लंबे अनुभव को देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है। अब वे गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक्शन निर्देशक केविन कुमार के साथ मिलकर इस क्लाइमेक्स को दोबारा शूट करेंगे, ताकि यह सीन दर्शकों को वाकई प्रभावित कर सके।फिल्म में अजय एक वन अधिकारी की भूमिका में हैं। उनका काम बाघों को शिकारियों और भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों से बचाना है।नए क्लाइमेक्स में वे संजय दत्त की गैंग से भिड़ते हुए नजर आएंगे। इस एक्शन से भरपूर सीन में गाड़ियों का पीछा करना, ताबड़तोड़ गोलियां चलाना और हाथ-से-हाथ की लड़ाई जैसे कई रेमांचक पल होंगे।इस सब के बाद, फिल्म की शूटिंग खत्म होने से पहले तमन्ना भाटिया के साथ एक खास डांस नंबर भी शूट किया जाएगा।

विजय के बेटे जेसन संजय की फिल्म सिग्मा नई तारीख पर होगी रिलीज, इतना बढ़ा इंतजार

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलापति विजय के बेटे जेसन संजय अपनी पहली निर्देशित फिल्म सिग्मा को नई तारीख पर सिनेमाघरों में लेकर आएंगे। खबर है कि फिलहाल के लिए इसे अक्टूबर तक के लिए टाल दिया गया है। पहले फिल्म की रिलीज तारीख 31 जुलाई तय हुई थी, लेकिन उसी दौरान विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन भी रिलीज की तैयारी में थी। पिता-बेटे की फिल्मों के बीच होने वाले टकराव से बचने के लिए सिग्मा को आगे खिसका दिया गया। जेसन संजय की फिल्म सिग्मा की नई तारीख का इंतजार फैंस काफी समय से कर रहे थे, जो अब खत्म हो गया है।

निर्माताओं ने एक पोस्टर के साथ ऐलान किया कि यह 2 अक्टूबर को गांधी जंयती के अवसर पर सिनेमाघरों में आएगी। जेसन ने भी फिल्म का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, 2 अक्टूबर को होने वाली इस धमाकेदार फिल्म के लिए तारीख नोट कर लें। सिग्मा सिनेमाघरों में धूम मचाने के लिए तैयार है।

विजय की फिल्म जन नायकन के साथ तो सिग्मा का टकराव टल गया था, लेकिन 2 अक्टूबर को इसका सामना करने के लिए बॉलीवुड से अजय देवगन आएंगे।दरअसल, उसी दिन उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म दृश्यम 3 रिलीज होने के लिए तैयार है। बता दें, लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित फिल्म सिग्मा में संदीप किशन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह एक डकैती पर आधारित एक्शन थ्रिलर होने की उम्मीद है। इसका संगीत थमन एस ने तैयार किया है।

सैंसर बोर्ड का फिल्म निर्माताओं के लिए बड़ा फरमान, सर्टिफिकेट के बाद कांट-छांट का मौका खत्म

सिनेमैटोग्राफ नियमों में मई 2026 में किए गए संशोधन के करीब तीन महीने बाद केंद्र सरकार ने नियम 33 में एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। नए प्रावधान के तहत केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता अपनी फिल्म में किसी भी तरह का बदलाव, कटौती या नया दृश्य जोड़ नहीं सकेंगे।पहले फिल्म को प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को सूचित कर आवश्यक मंजूरी लेकर फिल्म में कुछ बदलाव कर सकते थे। अब यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है।सूत्रों के अनुसार, संशोि निर्माताओं और निर्देशकों के सामने त त नियम 10 अगस्त 2026 से लागू हो गया है। इसके बाद प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता फिल्म की अवधि भी कम नहीं कर सकेंगे।यदि किसी निर्माता को प्रमाणपत्र मिलने के बाद यह लगता है कि फिल्म अधिक लंबी

है और उसमें से कुछ मिनट कम किए जाने चाहिए, तो अब ऐसा करने का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।पहले नियम 33 के प्राक्ान का इस्तेमाल फिल्म में उपशीर्षक जोड़ने जैसे बदलावों के लिए भी किया जाता था। लेकिन नए संशोधन के बाद प्रमाणपत्र जारी होने के पश्चात ऐसे बदलाव भी नहीं किए जा सकेंगे।सूत्रों के मुताबिक, नियम 33 कागजी तौर पर मौजूद रहेगा, फिल्म प्रमाणन बोर्ड को सूचित लेकिन प्रमाणपत्र मिलने के बाद निर्माता इसका इस्तेमाल फिल्म में बदलाव करने के लिए नहीं कर सकेंगे।नए नियम के बाद फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों के सामने यह स्पष्ट कर दिया गया है कि उन्हें प्रमाणन के लिए फिल्म का अंतिम संस्करण ही केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास प्रस्तुत करना होगा।फिल्म की अवधि कम करने, कोई नया दृश्य जोड़ने, किसी दृश्य को हटाने या किसी अन्य

तरह का फेरबदल करने का से पहले ही उसकी अंतिम अवधि



निर्णय प्रमाणन प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही करना होगा।नियम 33 में किए गए इस बदलाव से फिल्म के प्रमाणन के बाद उसमें संशोधन की संभावना पूरी तरह समाप्त हो गई है। अब निर्माता को प्रमाणन के लिए फिल्म भेजने

1, दृश्यों और अन्य सामग्री को लेकर सभी निर्णय लेने होंगे। मई 2026 में सिनेमैटोग्राफ (प्रमाणन) नियमों में संशोधन कर प्रमाणन की प्राथमिकता योजना को समाप्त किया गया था।

आवारापन 2 के आगे घुटने टेकने को मजबूर हुई बंटवारा 1947, देखें कुल कमाई

भारतीय बॉक्स ऑफिस पर इस वक्त इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 गदर काट रही है। उसी के साथ सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 ने प्रवेश किया, जिसकी कमाई का संघर्ष लगातार जारी है। दोनों फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज के 6 दिन पूरे कर चुकी हैं, लेकिन इनके कलेक्शन में एक बड़ा अंतर है। जहां इमरान की फिल्म 100 करोड़ के क्लब में दाखिल हो गई, तो वहीं सनी की फिल्म 50 करोड़ कमाने से भी दूर है।सैकनिल्क के मुताबिक, इमरान की फिल्म ने 6वें दिन 6.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जो सिनेमाघरों में जारी इसकी लोकप्रियता की तपक इशारा करता है।फिल्म घरेलू स्तर पर अब 107.50 करोड़ रुपये कमा चुकी है और आगे के रास्ते पर निकल चुकी है। वहीं, विश्व स्तर पर आवारापन 2 ने 153.59 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन कर लिया है।नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित इस एक्शन-ड्रामा में दिशा पाटनी और शबाना आजमी भी अहम किरदारों में शामिल हैं।सैकनिल्क के मुताबिक, बंटवारा 1947 ने 6वें दिन महज 1.40 करोड़ रुपये कमाए, जो इसका अब तक का सबसे निराशाजनक कलेक्शन हैं। इसकी कुल कमाई 32.15 करोड़ रुपये हुई है।विश्व स्तर पर फिल्म ने कुल 45.42 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया है। एक हफ्ते से भी कम वक्त में फिल्म का ऐसा प्रदर्शन निर्माताओं के लिए भी किसी बड़े झटके से कम नहीं है।

मुंह का स्वाद कड़वा क्यों हो जाता है? जानिए 5 कारण

मुंह का कड़वा स्वाद एक आम समस्या है, जिसे कई लोग अनुभव करते हैं। यह समस्या न सिर्फें।कुछ दवाओं का सेवनकुछ दवाओं का सेवन की मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकता है, जैसे कि कुछ एंटी-एलर्जी की दवाएं या मन के तनाव को कम करने वाली दवाएं।इन दवाओं के प्रमुख कारणों पर चर्चा करेंगे, कारण मुंह सूख सकता है या पेट जिनके कारण मुंह का स्वाद कड़वा हो सकता है, ताकि आप

सही समय पर उपाय कर सकें और इस समस्या से राहत पा सकें।कुछ दवाओं का सेवनकुछ दवाओं का सेवन की मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकता है, जैसे कि कुछ एंटी-एलर्जी की दवाएं या मन के तनाव को कम करने वाली दवाएं।इन दवाओं के कारण मुंह सूख सकता है या पेट में एसिड बढ़ सकता है, जिससे कड़वाहट होती है। अगर आप

नियमित रूप से कोई दवा ले रहे हों तो अपने डॉक्टर से सलाह लें और उनकी सलाह अनुसार दवा बदलवाएं या उसकी मात्रा कम करवाएं।जीम की सफाई का ध्यान न रखनाजीम की सफाई का ध्यान न रखना मुंह के कड़वे स्वाद का एक बड़ा कारण हो सकता है। अक्सर लोग ब्रश करते समय जीम को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बैक्टीरिया और गंदगी जमा

हो जाती है।इससे मुंह में कड़वाहट महसूस हो सकती है। इसलिए रोजाना ब्रश करते समय जीम को भी साफ करें। इसके लिए आप नरम ब्रश का उपयोग कर सकते हैं और हल्के हाथों से जीम को साफ करें।दांतों की समस्याएंदांतों की समस्याएं जैसे कि दांतों में कीड़े लगना, मसूड़ों की सूजन या दांतों में दर्द भी मुंह के कड़वे स्वाद का कारण बन सकती हैं।इन समस्याओं के कारण बैक्टीरिया

मुंह में जमा हो सकते हैं, जो मुंह के स्वाद को बदल सकते हैं।

जल不足 (Dehydration)जल不足 (Dehydration)जल不足 (Dehydration)

दीपिका पादुकोण इस वक्त अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म राका में व्यस्त चल रही हैं। उधर अभिनेता रणबीर कपूर भी अपनी आगामी पौराणिक फिल्म रामायण को रिलीज करने की तैयारी में जुटे हैं। इस परियोजना के बाद, अभिनेता ब्रह्मास्त्ररू भाग 2 की शूटिंग शुरू करेंगे जिसका निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। हालिया अपडेट है कि फिल्म में दीपिका शामिल हो सकती हैं। निर्माता फिल्म में अमृता का किरदार निभाने के लिए उनसे बातचीत कर रहे हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, परियोजना से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि ब्रह्मास्त्ररू भाग 2 के निर्माता फिल्म में दीपिका को शामिल करने का मन बना रहे हैं।उन्होंने कहा, अयान मुखर्जी और मुख्य टीम दीपिका को इस परियोजना में शामिल करने को लेकर आश्वस्त हैं, क्योंकि वे समझते हैं कि अमृता की भूमिका के लिए एक ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जिसमें अपार गंभीरता हो। बातचीत जारी है, लेकिन आधिकारिक पुष्टि समय-सीमा के तालमेल पर निर्भर करेगी।सूत्र के अनुसार, रामायण 2 की शूटिंग जनवरी, 2027 तक पूरी करने के बाद, रणबीर ब्रह्मास्त्र 2 की शूटिंग में जुट जाएंगे।उन्होंने कहा, रणबीर इस सफर को दोबारा शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। दोहरी भूमिका की इस बड़ी चुनौती में, रणबीर सीक्वल में देव और शिव दोनों का किरदार निभाएंगे।